Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 256
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-मंगलवार,13 जनवरी 2026 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, 17 लापरवाह

4 चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

5 यह सच नहीं लगता... रानी मुखर्जी ने करियर

एआई हमारे लिए सुविधा, तकनीक मानव से संचालित हो, इंसान तकनीक से नहीं: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृत्रिम मेधा (एआई) के सही दिशा, भरोसे और बेहतर समावेशन के साथ उपयोग पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि तकनीक मानव द्वारा संचालित होनी चाहिए, न कि इंसान तकनीक से संचालित हो। मुख्यमंत्री ने राज्य की राजधानी लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश एआई एवं स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगले दो दिन तक इस सम्मेलन में कई अहम विषयों पर चर्चा की जाएगी, लेकिन वह इतना अवश्य कहना चाहेंगे कि एआई हमारी सुविधा के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं इस बारे में अवश्य कहना चाहूंगा कि एआई हमारे लिए सुविधा है। यह हमारे लिए सहायक बनेगा, हमारे कार्यों को आसान बनाएगा और हमारे दृष्टिकोण को नयी ऊंचाई देने में योगदान करेगा, लेकिन हमें यह अवश्य ध्यान रखना होगा कि कोई भी तकनीक मानव द्वारा संचालित होनी चाहिए, मानव उसके द्वारा संचालित न हो। आदित्यनाथ ने कहा, एआई सही दिशा, भरोसे और समावेशन के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सटीक और न्यायसंगत बना सकता है। तकनीक जब संवेदना से जुड़ती है, नीति जब नवाचार से संचालित होती है और शासन जब विश्वास पर आधारित होता है, तभी विकास समावेशी बनता है और भविष्य सुरक्षित होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में वैश्विक सोच, नवाचार और निवेश का अग्रणी केंद्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर, मिड टेक और डिजिटल नवाचार के माध्यम से उत्तर प्रदेश एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने एआई का उपयोग केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि यूपी एग्रीस में भी किया है और उत्तर प्रदेश ऐसा पहला राज्य है जिसने विश्व बैंक के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया है। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्याप्त धांधली को रोकने के लिए ई-पॉज मशीनें लगाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद राशन वितरण में गड़बड़ियों की शिकायतों पर प्रदेश की उचित मूल्य की सभी 80 हजार दुकानों पर ई-पॉज मशीनें लगवाई गईं और डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि इन दुकानों पर छापेमारी भी की गई। इसका परिणाम यह है कि आज धांधली की एक भी शिकायत नहीं आती है। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यशासन का विश्वास अर्जित करने और शासन के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर उतारने में तकनीक कैसे बदलाव ला सकती है, यह उसका एक उदाहरण है। ऐसे अनेक उदाहरण हमने पिछले 11 वर्षों के दौरान धरातल पर उतरते देखे हैं। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न पेंशन योजनाओं की राशि पात्र लोगों के बैंक खातों में सीधे अंतरित किए जाने का भी उल्लेख करते हुए कहा, इससे लोगों को योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिल रहा है। अब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होता है तो योजनाएं तेजी से आगे बढ़ती दिखाई देती हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस...

सीएम धामी ने स्वदेशी संकल्प दौड़ का किया शुभारंभ

देहरादून (एजेंसी)। राष्ट्रीय युवा दिवस पर सीएम धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत का संदेश देश की मजबूत नींव के लिए युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क देहरादून में स्वदेशी संकल्प दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनको नमन किया। इस दौरान सीएम ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को उन्होंने सम्मानित भी किया। सीएम धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत का संदेश देश की मजबूत नींव के लिए युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र के संकल्प की ओर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने वोकल फॉर लोकल के संदेश को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया जैसे अभियान सबको मिलकर आगे बढ़ाने होंगे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अनुशासन अपनाने, शिक्षा-कौशल विकास पर जोर देने तथा राष्ट्र कर्तव्यों का पालन करने का विशेष आह्वान किया।

अगले साल भारत आ सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप, यूएस दूत ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत दौरे पर आ सकते हैं। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नयी दिल्ली में अपना कार्यभार संभालते हुए इस बात के संकेत दिए। उन्होंने न केवल ट्रंप और पीएम मोदी की श्सच्ची दोस्तीश का जिक्र किया, बल्कि वाइट हाउस के अंदर की कुछ दिलचस्प बातें भी शेयर कीं। सर्जियो गोर ने अपने पहले संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर अपनी पिछली भारत यात्रा को याद करते हैं और अगले एक-दो सालों में दोबारा भारत आने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति ट्रंप को यहां की अपनी पिछली यात्रा याद है। मैं पिछले हफ्ते राष्ट्रपति के साथ था और जब हमने नए साल के ठीक बाद डिनर किया, तो उन्होंने यहां आने के अपने शानदार अनुभव और भारत के महान प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी गहरी दोस्ती के बारे में बताया। मुझे यह भी उम्मीद है कि राष्ट्रपति जल्द ही हमसे मिलने आएंगे, उम्मीद है अगले एक-दो साल में भारत आएंगे।राजदूत गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार और टैरिफ विवादों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पूरी दुनिया घूमा हूं और मैं यह दावे के साथ कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती श्असलीश है। सच्चे दोस्तों में असहमति हो सकती है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को पूरा देश स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती मना रहा है। रामकृष्ण मठ और मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में, मंगल आरती और विशेष प्रार्थनाओं के साथ उत्सव की शुरूआत सुबह जल्दी हो गई। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता में नरेंद्रनाथ दत्ता के रूप में हुआ था। उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और मिशन की विभिन्न शाखाओं ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जुलूस निकाले, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वामी विवेकानंद ने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया-मुर्मू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को स्वामी

विवेकानंद की जयंती पर कहा कि उन्होंने भारतीयों में राष्ट्रीय गौरव का संचार किया। इसके साथ ही युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया राष्ट्रपति मूर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा एक कालजयी दूरदर्शी और आध्यात्मिक व्यक्तित्व। उन्होंने यह उपदेश दिया कि आंतरिक शक्ति और मानवता की सेवा एक सार्थक जीवन की नींव हैं। उन्होंने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा भारतीय युवाशक्ति के सशक्त प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व विकसित भारत के संकल्प में निरंतर नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। मेरी कामना है कि राष्ट्रीय युवा दिवस का यह दिव्य अवसर सभी देशवासियों, विशेषकर हमारे युवा साथियों के लिए नई शक्ति और नया आत्मविश्वास लेकर आए। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र-निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं।

पीएम मोदी और जर्मन चांसलर ने जारी किया साझा बयान

आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने का लिया संकल्प

गांधीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी किया। मीडिया को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने तकनीकी, रणनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। दोनों ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। मर्ज का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत जर्मनी के साथ अपनी दोस्ती और पार्टनरशिप को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गुजरात में हम कहते हैं आवकारो मिठो आपजे रे- यानी स्नेह और आत्मीयता से आपका स्वागत करते हैं। इसी भावना के साथ, हम चांसलर का भारत में दिल से स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की उपस्थिति में भारत और जर्मनी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए

गए। पीएम मोदी ने कहा, हम एकमत हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। भारत और जर्मनी इसके विरुद्ध एकजुट होकर पूरी दृढ़ता से लड़ाई जारी रखेंगे। भारत और जर्मनी सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए जी4 के माध्यम से हमारा संयुक्त प्रयास इसी सोच का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने चांसलर की यात्रा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, चांसलर मर्ज की ये यात्रा एक विशेष समय पर हो रही है। पिछले वर्ष हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी मना रहे हैं। ये माइलस्टोन केवल समय की उपलब्धियां नहीं हैं, ये हमारी साझा महत्वाकांक्षाओं, परस्पर विश्वास और निरंतर सशक्त होते सहयोग के प्रतीक हैं...भारत और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, भारत और जर्मनी के बीच तकनीकी सहयोग प्रति वर्ष मजबूत हुआ है, और आज इसका प्रभाव जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता हुई।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को दिल्ली एम्स में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद सोमवार को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया, जहां उनका एमआरआई किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को धनखड़ को वॉशरूम में दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, आज उन्हें एम्स ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें जांच के लिए भर्ती करने की सलाह दी। धनखड़ पहले भी कई बार बेहोश हो चुके हैं, जिनमें कच्छ का रण, उत्तराखंड, केरल और दिल्ली की घटनाएं शामिल हैं जहां वह उपराष्ट्रपति के रूप में सार्वजनिक कार्यक्रमों में गए थे। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

चुनाव आयुक्त के खिलाफ मुकदमा न होने वाले अधिकार को चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा केंद्र और आयोग से जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संसद द्वारा पारित उस कानून की वैधता की जांच करने पर सहमति जताई है। जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को आजीवन अभियोजन से छूट प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस बात की जांच करेगा कि क्या राष्ट्रपति या राज्यपाल को न मिलने वाली यह छूट मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को दी जा सकती है? लोक प्रहरी एनजीओ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने

केंद्र सरकार, चुनाव आयोग व अन्य को नोटिस भेजा है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस का 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। यह सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में हुई सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में हुई।मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक पद पर रहते हुए कानूनी सुरक्षा मिली है। इसको लेकर गैर-सरकारी संगठन लोक प्रहरी द्वारा याचिका दायर की गई है। एनजीओ ने अपनी याचिका में इस तरह की छूट को गलत बताया है। इससे पहले भी कांग्रेस भी इस तरह का विरोध जता चुकी है।केंद्र की मोदी सरकार साल 2023 में एक कानून लाई थी, जिसे उसी समय संसद के दोनों सदनों में पास कराया गया था। इस कानून के मुताबिक कोई भी कोर्ट आधिकारिक ड्यूटी में किए गए कामों (जैसे चुनावी निर्णय, बयान-प्रक्रिया) के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के खिलाफ एफआईआर या मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है। यह सुरक्षा वर्तमान और पूर्व दोनों आयुक्तों पर लागू होती है। मतलब पद पर रहने और रिटायर होने के बाद भी कोई केस दर्ज नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर खड़गे का संदेश, स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में उन्होंने भारत के महान चिंतक, दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों को प्रासंगिक बताया।कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, समस्त देशवासियों को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आज भारत के महान चिंतक और दार्शनिक स्वामी

विवेकानंद जी की जयंती है। वे भारतीय जीवन-मूल्यों के प्रतीक हैं और हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत हैं। स्वामी जी के विचारों और आदर्शों को श्रद्धांजलि स्वरूप, राजीव गांधी ने इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित किया था।खड़गे ने कहा कि अमरीका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके ऐतिहासिक भाषण के कुछ अंश, जो आज भी बेहद प्रासंगिक हैं, श्सांप्रदायिकताएं, कट्टरताएं और इसके भयानक वंशज हठधर्मिता लंबे समय से पृथ्वी को अपने शिकंजों में जकड़े हुए हैं। इन्होंने पृथ्वी को हिंसा से भर दिया है। कितनी बार ही यह धरती खून से लाल हुई है।

डीआरडीओ ने किया पोर्टेबल टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गतिमान लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम मैन पोर्टेबल टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण रविवार को महाराष्ट्र की अहिल्या नगर स्थित केके रेंज में किया गया। परीक्षण डीआरडीओ की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद ने किया। देश में ही विकसित इस मिसाइल में अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है जिनमें इमेजिंग इंफ्रारेड (आईआईआर) होमिंग सीकर, पूर्णतः विद्युत आधारित नियंत्रण एक्ट्यूएशन प्रणाली, फायर कंट्रोल सिस्टम, टैंडम वारहेड, प्रणोदन प्रणाली तथा उच्च प्रदर्शन दृष्टि प्रणाली शामिल हैं। इन प्रणालियों का विकास डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोग शालाओं द्वारा किया गया है।

वाद-विवाद और असहमति स्वस्थ लोकतंत्र का हिस्सा:उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा

कि वाद-विवाद, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी स्वस्थ लोकतंत्र के आवश्यक तत्व हैं, लेकिन ऐसी प्रक्रियाओं का अंततः एक निष्कर्ष पर पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्णय हो जाने के बाद उसके कार्यान्वयन में सहयोग करने की सामूहिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के नौवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने स्नातक की उपाधि हासिल करने वाले छात्रों से अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र सेवा में समर्पित करने का आग्रह किया। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके उपदेशों को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा को डिग्री से आगे बढ़कर चरित्र निर्माण, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि और व्यक्तियों के सशक्तीकरण पर जोर देना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि केवल शिक्षा और उचित प्रशिक्षण ही भारत के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में सक्षम बनाएगा। भारत में ज्ञान की सभ्यतागत परंपरा को रेखांकित करते हुए राधाकृष्णन ने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख किया ।

सहकारी क्षेत्र न केवल आर्थिक वृद्धि में बल्कि लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में भी सहायक: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि देश का सहकारी क्षेत्र न केवल आर्थिक वृद्धि में बल्कि लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में भी सहायक है। वित्तीय साक्षरता एवं डेटा-आधारित प्रशासन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र भारत को एक विकसित देश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री यादव ने सहकारी संगठनों के ऑडिट में तेजी लाने और उनके आंतरिक नियंत्रणों को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने

कहा कि सहकारी क्षेत्र आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में योगदान देता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने सहकारी क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण किया है जिससे जमीनी स्तर पर लाभ मिल रहा है। कॉरपोरेट क्षेत्र के विपरीत यह क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करता है। यादव ने बताया कि सहकारी क्षेत्र में लगभग 32 करोड़ लोग कार्यरत हैं और 85 लाख से अधिक सहकारी संगठन हैं। मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की बढ़ती भूमिका के साथ भारत के आर्थिक भविष्य का बदलावश विषय पर आयोजित सहकारी चिंतन शिविर में यह बयान दिया। इस मौके पर सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि मंत्रालय ने पिछले चार वर्ष में उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र में जल्द ही ह्यभारत टैक्सी शुरू की जाएगी जिससे चालकों को अधिक लाभ होगा और इस पहल के लिए करीब 1.2 लाख चालकों ने पहले ही पंजीकरण करा लिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा कि अगले 10 से 15 वर्ष में सहकारी क्षेत्र, देश की आर्थिक वृद्धि का मुख्य चालक होगा।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-मंगलवार, 13 जनवरी 2026

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी बढ़नी व अपराध आसूचना शाखा गोण्डा के संयुक्त निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन चिल्हिया यार्ड से पूर्व में चोरी कर छुपाये हुए रेल सम्पत्ति के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया द्वारा निगरानी के दौरान बलिया स्टेशन के पुराना मालगोदाम के पास से पूर्व में चोरी कर छुपाये हुए रेल सम्पत्ति के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। मानवीय सहायताा के अन्तर्गत 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर एक व्यक्ति के बीमार हालत में मिलने पर उसका उपचार कराया गया तथा बीमार व्यक्ति के परिजन के उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी खलीलाबाद को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन के समक्ष उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 10 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12511 में 15 वर्ष एवं 17-17 वर्ष के 03 लड़के लावारिस हालत में मिले, जिन्हें पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 10 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 01025 में महिला यात्री का छूटा एक पिट्ठू बैग मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15133 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोण्डा पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15047 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

केरल की महिला टीम ने लगातार छठी बार रेलवे को दी मात जीता गोल्ड रेलवे को सिल्वर

वाराणसी। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में आयोजन नेशनल सीनियर वॉलीबॉल चैंपियनशिप में केरल की टीम को जीत मिली। आज इसका समापन भी होगा। राज्य के दोनों डिप्टी सीएम खिलाड़ियों को बधाई देंगे। केरल ने गोल्ड मेडल जीता है। वहीं, रेलवे को सिल्वर मेडल मिला। सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट पर रविवार को खेली गई 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में केरल की महिला टीम ने लगातार छठी बार रेलवे को हराकर चैंपियन बन गई। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोचक रहा और पांच सेट तक चला। रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में केरल की बेटियों ने अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी भारतीय रेलवे को 3-2 से शिकस्त देकर खिताब पर अपना दबदबा बनाए रखा। शुरूआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करने वाली केरल की टीम ने निर्णायक सेट में रेलवे को कोई मौका नहीं दिया। मुकाबले की शुरूआत रेलवे के पक्ष में रही जहां उन्होंने पहला सेट 25-22 से जीतकर अपनी मंशा साफ कर दी। इसके बाद केरल ने जोरदार पलटवार किया और लगातार दो सेट जीतकर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चौथे सेट में रेलवे ने फिर वापसी की और 25-22 से जीतकर मैच को निर्णायक पांचवें सेट में धकेल दिया। हालांकि, अंतिम सेट में केरल के दमदार स्मैश और डिफेंस के आगे रेलवे बेबस दिखी और केरल ने 15-8 से सेट जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। केरल की इस कामयाबी के पीछे टीम की एकजुटता और रणनीतिक कौशल का बड़ा हाथ रहा। टीम की जीत की मुख्य सूत्रधार रहीं अनुश्री ने अपनी कलाई के जादू और आक्रामक स्मैश से रेलवे के डिफेंस को पस्त कर दिया। हर निर्णायक मोड़ पर अनुश्री के सटीक प्रहारों ने केरल की झोली में अंक डाले। वहीं, डिफेंस की कमान शिवप्रिया जी. ने संभाली थी। लिबरो की भूमिका में शिवप्रिया ने मैदान पर गजब की फुर्ती दिखाते हुए रेलवे के तेजतर्रार हमलों को न सिर्फ रोका बल्कि उन्हें काउंटर अटैक में तब्दील करने का मौका भी बनाया। नेट पर अनघा आर. एक अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रहीं। उनकी शानदार ब्लॉकिंग के कारण रेलवे की अनुभवी खिलाड़ी भी अंक चुराने के लिए संघर्ष करती दिखीं। एक समय जब मैच फंसता नजर आया, तब नंदना वी. और अन्ना मैथ्यू ने अपने अनुभव का परिचय दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने तालमेल बिठाते हुए कोर्ट के कोनों का बखूबी इस्तेमाल किया और स्कोरबोर्ड में निरंतर बढ़त बरकरार रखी। शुरूआती लय बनाने में एन वी जैकब का योगदान भी सराहनीय रहा जिन्होंने सर्विस और पासिंग के जरिये टीम को वह आधार प्रदान किया जिस पर जीत की बुलंद इमारत खड़ी हुई। कोच डॉ. सदानंदन के मार्गदर्शन में इन छह खिलाड़ियों ने मैदान पर जो अनुशासन और जज्बा दिखाया, उसी का परिणाम है कि आज केरल की टीम नेशनल चैंपियन के रूप में उभरकर सामने आई है। डिप्टी सीएम, मंत्री, मेयर और विधायकों ने बढ़ाया हौसला फाइनल मैच के दौरान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव मौर्य के साथ ही राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, यूपी वॉलीबाल संघ के महासचिव सुनील तिवारी, डॉ. अभिमन्यु सिंह, डॉ. आशीष कुमार सिंह, विवेक सिंह, भारतीय वॉलीबाल महासंघ के रामऔतार सिंह जाखड़ समेत वीएफआई और यूपी वॉलीबाल संघ से जुड़े तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। इन सबने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष मेयर अशोक कुमार तिवारी ने किया। मेयर ने कहा कि वॉलीबॉल के शानदार मैच खेले गए।

संक्षिप्त खबरें

प्रश्न पत्र पहुंचे आज से होगी माध्यमिक विद्यालयों में प्री-बोर्ड परीक्षा

बस्ती। माध्यमिक विद्यालयों में प्री- बोर्ड परीक्षा 12 जनवरी से प्रारंभ हो जाएगी। 19 जनवरी तक चलने वाली इस परीक्षा में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के सभी विद्यार्थी शामिल होंगे। पिछले साल के रिजर्व कोटे के प्रश्न पत्रों के जरिये यह परीक्षा कराई जानी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से सभी विद्यालयों में यह प्रश्न पत्र पहुंचा दिए गए हैं। इस बार हाईस्कूल में पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 39944 है। इसमें बालक 19014, बालिका- 19930 शामिल है। जबकि इंटरमीडिएट में पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 34214 है। इसमें 16,568 बालक और बालिका 17,646 हैं। इन विद्यार्थियों की प्री-बोर्ड परीक्षा की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। जिले के सभी 401 माध्यमिक विद्यालयों में पिछले साल के रिजर्व कोटे के प्रश्न पत्र भी पहुंचा दिए गए हैं। यह विद्यार्थियों के लिए डमी परीक्षा होगी। इसमें बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर सभी विषयों की परीक्षा ली जाएगी। 24 जनवरी से इन विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा भी शुरू होने वाली है। इससे पहले विद्यालय स्तर पर प्री-बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। ताकि विद्यार्थी अपने दो साल की पढ़ाई का मूल्यांकन स्वयं कर सकें। परीक्षा की समयावधि विद्यालय प्रबंधन सुविधानुसार निर्धारित करेंगे। सुबह प्रथम पाली में हाईस्कूल और द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा कराई जाएगी।

जिम्मेदारों की मनमानी से सुविधा बेमानी पांच नवजातों ने गंवाई जान

बस्ती। जच्चा-बच्चा की सुरक्षा और मातृ शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए किए जा रहे तमाम प्रयास सिस्टम की लापरवाही से दम तोड़ रहे हैं। सीएचसी हरैर्या के आयुष्मान आरोग्य मंदिर मरवटिया से जुड़े एक मामले की जांच में इसकी तस्दीक हुई है। गांव की एक महिला के नौ प्रसव हुए लेकिन पांच नवजात की मौत हो गई। जांच में पता चला है कि उच्च जोखिम की श्रेणी में चिह्नित गर्भवती की विभाग की ओर से निगरानी नहीं की गई और सिर्फ दो बार प्रसव सीएचसी में कराए गए। तीन प्रसव नसबंदी के बाद हुए। जांच में लापरवाही सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। बीते बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा के दौरान संस्थागत प्रसव का मामला उठा था। सीएचसी हरैर्या से जुड़े आयुष्मान आरोग्य मंदिर मरवटिया में काफी कम प्रसव की बात आई थी। अगले दिन सीडीओ सार्थक अग्रवाल मरवटिया पहुंचे और सीएचओ विजय पाल, आशा रीता देवी और एएनएम अंजलि शर्मा से पूछताछ की तो बताया गया कि गांव की महिलाएं अस्पताल नहीं आना चाहतीं और घर में ही प्रसव को प्राथमिकता देतीं हैं। सीडीओ ने यूपी टीएसयू के जिला विशेषज्ञ यशपाल को जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। जांच में स्वास्थ्य विभाग के सिस्टम की पोल खुल गई। पता चला कि मरवटिया गांव के रहने वाले सावनदीन की पत्नी रंजना का नौ बार प्रसव हो चुका है लेकिन सिर्फ चार लड़के जीवित हैं। तीन बेटियों और दो बेटो की मौत जन्म के दो माह के भीतर हो गई। सात प्रसव घर में ही हुए जबकि दो प्रसव सीएचसी में कराए गए। 25 नवंबर 2025 को घर में प्रसव हुआ, नवजात की मौत तीन जनवरी को हो गई। गर्भावस्था के दौरान एएनएम ने केवल एक एएनसी सेवा दी, एमसीपी कार्ड भी नहीं बनाया गया। आशा ने एक भी एचबीएनसी भ्रमण नहीं किया।

युगों तक प्रेरणा देते रहेंगे स्वामी विवेकानंद के विचार

बस्ती। स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को कबीर साहित्य सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रेस क्लब सभागार में साइमन फारूकी के संयोजन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. वीके वर्मा ने स्वामी विवेकानंद के जीवन वृत्त, योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब देशकई टुकड़ों में विभाजित था, भुखमरी, महामारी से देश के अनेक हिस्से प्रभावित थे, उस समय युवा संन्यासी ने देश को ऊर्जा देने के साथ ही शिकागो के भाषण से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई। उन्होंने धर्म को जीवन से जोड़ा और मुसीबत में होम्योपैथ की दवा लेकर सेवा करने निकल पड़े। युवा पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कवि डॉ. राम कृष्ण लाल ह्यजगमगह्न ने कहा कि स्वामी विवेकानंद सदा अपने को गरीबों का सेवक कहते थे। देश के गौरव को देश-देशांतरों में उज्ज्वल करने का उन्होंने सदा प्रयत्न किया। इस परंपरा को आगे बढ़ाने की जरूरत है। अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा, अजीत श्रीवास्तव ह्यराजह्न तौव्वाब अली, डॉ. वाहिद अली सिद्दीकी, टीपी मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, अनुरोध कुमार श्रीवास्तव, सुशील सिंह पथिक आदि ने संबोधित किया। इस दौरान शाद अहमद शाद, अमित कुमार उपाध्याय, राहुल चौहान, सागर गोरखपुरी, चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, ओमैसी, सन्तोष श्रीवास्तव, संजीव पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

जी रामजी योजना से आएगी समृद्धि श्रमिकों को रोजगार

बस्ती। सूबे के कैबिनेट/ प्रभारी मंत्री आशीष पटेल रविवार को जनपद पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों के साथ कोर ग्रुप एवं जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक ली। इस दौरान जिले के समुचित विकास, बेहतर कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर प्रभारी मंत्री ने विशेष जोर दिया। कहा कि विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों का सुझाव लिया जाए। अधिकारी उनके प्रस्ताव की अनदेखी न करें। आम जनमानस की सुनवाई तत्काल होनी चाहिए। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए छोटे- छोटे अपराध भी आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण : प्रभारी मंत्री ने सदर तहसील के ग्राम छरोछा में निमार्णाधीन विधिक विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस दौरान प्लास्टर को ठीक प्रकार से नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि प्लास्टर को ठीक कराया जाए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, विधायक हरैर्या अजय सिंह, डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना, एसपी अभिनंदन, सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

गालीबाज डॉक्टर के खिलाफ जांच शुरू

कप्तानगंज (बस्ती)। जिले के एक सरकारी अस्पताल के चर्चित गाली बाज डॉक्टर के खिलाफ सीएमओ ने जांच शुरू करा दी है। जांच टीम ने ऑडियो और वीडियो के साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए रिपोर्ट तैयार कर रही है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट में आरोप साबित होने पर कार्रवाई की जाएगी। लोगों का आरोप है कि एक सीएचसी पर तैनात डॉक्टर नशे में रहते हैं। फोन न उठाना,समय से ड्यूटी नहीं आना और बात-बात में गाली दे देना उनकी आदत बन गई है। आरोप है कि एक सप्ताह पहले गाली बाज डॉक्टर एक मामले में सुरक्षा कर्मी से सहयोग मांगा।

ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) का दृश्य

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा सर्दी के मौसम में सुरक्षित एवं संरक्षित ट्रेन संचलन हेतु सभी सावधानियां बरती जा रही हैं। इस दौरान रेलवे ट्रैक की रात्रिकालीन पेट्रोलिंग नियमित रूप से की जा रही है तथा उसकी निगरानी के लिए रेलकर्मियों को ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) ट्रैकर उपलब्ध कराये गये हैं। पेट्रोलमैन जी.पी.एस. से लैस होकर पेट्रोलिंग का कार्य सम्पादित कर रहे है, जिससे संरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है तथा पेट्रोलिंग के दौरान टैज्क में हुई कमियों की जानकारी देना आसान हो गया है। पूर्वोत्तर रेलवे पर 2686 जी.पी.एस. ट्रैकर उपलब्ध कराये गये हैं, जिसमें लखनऊ मंडल पर 680, वाराणसी मंडल पर 1216 तथा इज्जतनगर मंडल पर 790 है। इस उपकरण में तीन शार्टकट बटन होते है, जिसमें समय की जानकारी के साथ सम्बन्धित सुपरवाइजर को कॉल कर त्वरित सूचना देने में सुविधा होती है। इस ऑन लाइन मॉनिटरिंग से पेट्रोलमैन के रियल टाइम लोकेशन तथा पेट्रोलिंग गति इत्यादि की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा पठानकोट-जोगिंदरनगर नैरो गेज सेक्शन का निरीक्षण

नई दिल्ली: उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, अशोक कुमार वर्मा ने आज दिनांक 12 जनवरी 2026 को सबसे पहले जम्मू मंडल के पठानकोट सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया । इस दौरान जम्मू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, श्री विवेक कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।जिसमें उन्होंने सबसे पहले पठानकोट रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर कार्यालय, बुकिंग, रिटायरिंग रूम व स्टेशन पर चल रहे, पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। साथ पुनर्विकास कार्यों में संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश जारी किए। इसके बाद महाप्रबंधक ने पठानकोट-जोगिंदरनगर नैरो गेज (762 मिमी) रेलवे लाइन के महत्वपूर्ण खंड के मुख्य रेलवे स्टेशन जिसमें नूरपुर रोड, तलारा, ज्वाली का भी विस्तृत निरीक्षण किया, जिसका उद्देश्य सुरक्षा मानकों की समीक्षा करना, यात्री सुविधाओं का मूल्यांकन करना और इस ऐतिहासिक मार्ग के आधुनिकीकरण की संभावनाओं का पता लगाना था ।

महाप्रबंधक ने नेरों गेज सेक्शन में आने वाले ट्रैक, पुलों, स्टेशनों और सिग्नलिंग प्रणालियों का गहन निरीक्षण किया. उन्होंने रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की और लाइन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत जानकारी ली।

अपने निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक, श्री अशोक कुमार वर्मा ने नेरो गेज के रेल चक्की ब्रिज का भी निरीक्षण किया, जो वर्तमान में मरम्मत कार्य के अंतर्गत चल रहा है। इस ब्रिज के मरम्मत कार्य को जल्दी से पूर्ण करने, हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए । महाप्रबंधक ने ट्रैक की मजबूती और सुरक्षा जांच पर विशेष जोर दिया, विशेष रूप से पहाड़ी इलाकों में. यात्री सुविधाएं: स्टेशनों पर स्वच्छता, प्रतीक्षालय, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाओं की समीक्षा की गई।

दुष्कर्म का आरोपी दरोगा अपना रहा तरह-तरह के हथकंडे, कल जारी हुआ था वीडियो आज लेटर

कानपुर। सचेंडी में नाबालिक से दुष्कर्म का आरोपी दरोगा तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है। कल कुछ लोगों ने पांच दिन बाद पीड़ित और यू ट्यूबर और चौकी इंचार्ज की बातचीत करता वीडियो जारी किया था। अब सोमवार को नया लेटर जारी किया गया है। जिसमें आरोपी दरोगा मुख्यमंत्री और पुलिस कमिश्नर से जांच कराने की मांग कर रहा है लेकिन पुलिस को पकड़ में नहीं आ रहा है। आरोपी दरोगा का सहयोग कौन कर रहा है। यह एक बड़ा सवाल है। सचेंडी में सोमवार रात को चौकी इंचार्ज अमित मौर्य और यू ट्यूबर शिवबरन सिंह ने नाबालिक से साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने अज्ञात दो लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की थी। पीड़िता की पहचान पर अगले दिन आरोपी यूट्यूबर शिवबरन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि उसका साथी दरोगा अमित मौर्य फरार हो गया। पुलिस कमिश्नर ने फरार दरोगा पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। ज्वाइंट सीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर लेटर वायरल हो रहा है इसकी जांच कराई जाएगी। दरोगा की तलाश में टीमें लगी हैं। अगर उन्हें लगता है कि वो बेगुनाह है तो पहले सरेंडर करें, जो भी सबूत उनके पास हैं। वो प्रस्तुत करें जांच में उसे शामिल किया जाएगा।

मैदान में युवक का शव पड़ा मिला हत्या कर फेंके जाने की आशंका

फरुर्खाबाद। मोहम्मदाबाद में इटावा-बरेली हाईवे स्थित खाटू श्याम मंदिर से गांव डुबका जाने वाले रास्ते पर सेना के मैदान में सोमवार सुबह एक युवक का शव पड़ा मिला। उसके सिर व हाथों में चोट थी। शव पूरी तरह मिट्टी में सना था। इससे हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। जेब में शराब का पौव्वा मिलने से पुलिस अधिक शराब पीने से गिरकर मौत होने की बात कह रही है। पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। गांव डुबका जाने वाले रास्ते के पास सेना के मैदान में शव पड़े होने की सूचना सोमवार सुबह किसी ने यूपी 112 पर दी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ भी लग गई। वहां युवक का शव मुंह के बल पड़ा था। शव पूरी तरह मिट्टी में इस तरह सना था जैसे कोई उसे मिट्टी में दूर तक घसीट कर ले गया हो। इससे चेहरा समझ में नहीं आ रहा था। पुलिस ने शव को सीधा कराया। उसके सिर में पीछे के हिस्से में चोट थी। इससे लग रहा था कि किसी ने कोई वजनदार वस्तु उसके सिर में मारी हो। पुलिस ने पहचान कराने के लिए उसके चेहरे को पानी से साफ कराया। पर उसकी पहचान नहीं हो सकी। दोनों हाथों में सूजन थी। इससे लग था कि उसके हाथों में फ्रैक्चर है। उसके शरीर पर ट्रैकशूट अपर, उसके बाद जैकेट, काला इनर, काल लोअर, भूरे रंग का अंडरवियर, एक चप्पल उसके पैर में थी और दूसरी शरीर के नीचे दबी थी। उसकी जैकेट की जेब से देसी शराब का पौव्वा, बीड़ी का बंडर व 50 रुपये मिले। वह हाथ में काला धागा और गले लाल धागा पहने था। फॉरेंसिंक टीम ने मौके पर पहुंचकर नमूने एकत्र किए। एएसपी, सीओ कायमगंज राजेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे।

भारी फोर्स की मौजूदगी में तोड़े जा रहे मकान दुकानदारों का विरोध जारी

वाराणसी। दालमंडी चौड़ीकरण के लिए बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। सोमवार को भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में बुलडोजर ने दालमंडी में प्रवेश किया। चौक की तरफ से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण योजना के तहत ध्वस्तीकरण अभियान जारी है। सोमवार को बुलडोजर की कार्रवाई शुरू की गई। सुबह बुलडोजर ने चौक थाने की तरफ से प्रवेश किया। यहां मलबा हटाने का काम शुरू हो चुका है। वहीं मजदूरों द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा रही है। दालमंडी में हथौड़े के बाद अब बुलडोजर से मकानों को तोड़ने का काम किया जा रहा है। इसके लिए सोमवार को बुलडोजर का प्रवेश दालमंडी में हो गया। इस दौरान गलियों में बैरिकेडिंग की गई। इसके बाद पुलिस, प्रशासन, पीडब्ल्यूडी की टीम की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एहतियातन भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दुकानदार कर रहे विरोध दालमंडी में दुकानों के ध्वस्तीकरण को लेकर बुलडोजर पहुंचा तो दुकानदार विरोध करते हुए अपने मकानों के सामने खड़े हो गए। अदनान खान का कहना है कि प्रशासन द्वारा जो बात दो महीने पहले कही जा रही थी, वही आज भी कही जा रही है। दुकानदार का कहना है कि प्रशासन कह रहा कि मकान का नक्शा नहीं पास हुआ है, इतनी जमीन पर नक्शा नहीं पास होता है और ये मकान मानक के विरूद्ध नहीं बनाया गया है। ऐसे में हम कार्रवाई रोकेंगे। हालांकि अधिकारियों के समझाने पर दुकानदार मकान तोड़ने के लिए तैयार हुई। उसने कहा कि इस मकान को मैंने बनाया है और मैं ही अब इस मकान को तोड़ूंगा। विभागीय लोगों के साथ तीसरे तल पर पहुंचा और उसने खुद ही हथौड़ा चलाकर मकान तोड़ने की शुरूआत की। मुख्तार खान के भवन पर चलाया गया बुलडोजर दुकानदारों और मकान मालिकों के विरोध के बीच दोपहर बाद नई सड़क की तरफ से लंगड़ा हाफिज मस्जिद के सामने मुख्तार खान के भवन को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान मजदूरों ने ऊपरी हिस्से पर हथौड़ा चलाकर तोड़ना शुरू किया। इसके बाद बुलडोजर से प्रथम तल को तोड़ना शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारी लोगों को दूर रहने के लिए सतर्क करते दिखे। राहगीरों और मीडियाकर्मियों को मकान के आसपास से हटाया गया।

तत्कालीन थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी पर दर्ज मुकदमों का मामला

कानपुर। तत्कालीन चकेरी थाना प्रभारी संतोष शुक्ला व तत्कालीन सनिगवां चौकी प्रभारी अंकित खटाना - फोटो : अमर उजाला चकेरी थाने में तत्कालीन प्रभारी इंस्पेक्टर व तत्कालीन सनिगवां चौकी प्रभारी समेत अन्य के खिलाफ डकैती समेत कई धाराओं में दर्ज प्राथमिकी में रविवार को सोशल मीडिया में पीड़ित का एक और वीडियो वायरल हुआ। इसमें वह आरोपियों पर लगातार धमकाने का आरोप लगा रही है। पुलिस से सुरक्षा की मांग की। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। लाल बंगला के चंद्रनगर निवासी संजय जायसवाल की पत्नी संगीता जायसवाल ने तत्कालीन चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला, तत्कालीन सनिगवां चौकी प्रभारी अंकित खटाना, योगी बिल्डर व धर्मेन्द्र यादव पर 40 अज्ञात पर उनकी जमीन पर कब्जा करवाने का आरोप लगाया था। पीड़िता ने हाईकोर्ट के आदेश पर सभी के खिलाफ डकैती समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। संजय का आरोप है कि उन्हें लगातार समझौता करने के लिए धमकाया जा रहा है। पीड़ित ने दूसरा वीडियो वायरल कर पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई की जाएगी।

वेनेजुएला में तेल निवेश पर ट्रंप का कड़ा रुख, एक्सॉनमोबिल के बयान को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे वेनेजुएला में तेल निवेश को लेकर एक्सॉनमोबिल को बाहर रखने के पक्ष में हो सकते हैं। यह टिप्पणी तब आई जब कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने वेनेजुएला की मौजूदा परिस्थितियों को निवेश के लिहाज से अयोग्य बताया। ट्रंप को एक्सॉनमोबिल का जवाब पसंद नहीं आया व्हाइट हाउस में शुक्रवार को तेल और गैस कंपनियों के प्रमुखों के साथ हुई बैठक के बाद ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि मुझे एक्सॉन का जवाब पसंद नहीं आया। हमारे पास कई कंपनियां हैं जो निवेश करना चाहती हैं। ऐसे में मैं एक्सॉन को बाहर रखने की ओर झुक सकता हूं। वे जरूरत से ज्यादा चालाकी दिखा रहे हैं। यह बैठक पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों को लेकर भविष्य की रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, 17 लापरवाह चिकित्साधिकारियों को किया बर्खास्त, कइयों से मांगा जवाब

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों में अनुशासनहीनता और लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर ड्यूटी से लगातार गायब रहने वाले 17 चिकित्साधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक मरीजों को बेहतर इलाज और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसी क्रम में मरीजों के साथ अभद्रता करने वाले 4 चिकित्साधिकारियों पर विभागीय

कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। इसके अलावा स्थानांतरण के बाद भी नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण न करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह के विरुद्ध भी विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बीकेटी ट्रामा सेंटर में तैनात 4 चिकित्साधिकारियों से लापरवाही के संबंध में स्पष्टीकरण तलब किया गया है। साथ ही काम में ढिलाई बरतने पर 3 चिकित्साधिकारियों को चेतावनी देने का फैसला लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि कार्य में लापरवाही व उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के आरोप में 5 चिकित्साधिकारियों की वेतन वृद्धि रोक दी गई है और उनके खिलाफ परनिंदा दंड भी लगाया गया है। इतना ही नहीं, क्रय नीति के विरुद्ध दवा खरीद के मामले में दोषी पाए गए 2 चिकित्साधिकारियों की पेंशन में 10 प्रतिशत कटौती के निर्देश भी दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्पष्ट किया कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा और ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन, ऊर्जा मंत्री भाग गया के लगे नारे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। संविदा कर्मचारियों का कहना है कि कर्मचारी विभिन्न जनपदों से चलकर लखनऊ आए, लेकिन ऊर्जा मंत्री मिले नहीं। संपर्क करने की कोशिश की गई तो बताया गया कि वह बाहर हैं। इस पर बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने कालिदास मार्ग स्थित ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के घर के बाहर भाग गया भाई भाग गया ऊर्जा मंत्री भाग गया, होश में आओ भाई होश में आओ और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। इस पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। वहीं, कुछ साथी नारेबाजी करते हुए इको गार्डन की ओर चल दिए। मौके पर कर्मचारी खुद की मांगों को लेकर विरोध कर रहे थे। वह नौकरी से निकाले जाने और वेतन कटौती से नाराज हैं। इसके साथ ही विभाग के प्राइवेटाइजेशन किए जाने की व्यवस्था से भी नाराजगी बढ़ी हुई है। संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष देवेंद्र पांडे का कहना है कि ऊर्जा मंत्री के नहीं मिलने के चलते कर्मचारी मायूस हैं। लगातार अपनी मांगों को लेकर संपर्क करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं निकल रहा है। पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने अपने ही आदेशों का उल्लंघन करते हुए मनमाने ढंग से कर्मचारियों की छंटनी की, 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर हजारों को हटाया, 18 सितंबर 2025 के आदेश के अनुरूप अनुबंध नहीं किया, वेतन 18,000 रुपए निर्धारित नहीं किया।

आग से घिरी स्कूल संचालिका छत से कूदी, मौत,पति का चेहरा-हाथ झुलसा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आग से बचने के लिए महिला दूसरी मंजिल की छत से कूद गई। सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पति भी आग में झुलसकर घायल है। जबकि बेटी को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। बेटा खुद ही बाहर निकल गया। घटना सोमवार सुबह अयोध्या रोड के नीलगिरी चौराहा के रोहतास इन्क्लेव की है। महिला की पहचान फ्लैट नंबर 73-74 में रहने वाली निदा रिजवी (45) के रूप में हुई है। वह चौक में किड्स जी स्कूल चलाती थीं। उनके पति सैय्यद मोहम्मद अम्मार रिजवी (52) का चेहरा और हाथ झुलस गया है। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 7.09 बजे कंट्रोल रूम में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। महिला को तत्काल डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पति का हाथ और चेहरा झुलस गया है। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। सूचना पर फायर बिग्रेड कर्मी मौके पर पहुंचे। 2 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग बढ़ती गई। इस पर 3 गाड़ियों को और बुलाया गया। धुएं से भरे मकान में बीए सेट पहनकर अग्निशमन कर्मी अंदर घुसे। 5 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। आग लगने से फ्लैट की खिड़की, दरवाजे सब जल गए। प्लास्टर झड़ गया। गृहस्थी जलकर राख हो गई। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी इंदिरानगर कमलेन्द्र कुमार सिंह और एफएसओ हजरतगंज रामकुमार रावत के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने लगातार करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग बुझाने के दौरान एक अलमारी से 11 लाख रुपए नकद बरामद हुए, जिनमें 500-500 रुपए की गड्डियां थीं। सोमवार सुबह करीब 7 बजे निदा नजर देने के लिए (बुरी नजर से बचाने के लिए इबादत करना) उठीं। उन्होंने पहली मंजिल के पीछे वाले कमरे में दुआ घर बनाया था। नजर देने के लिए उन्होंने उसी कमरे में एक मोमबत्ती जलाई थी। जलती हुई मोमबत्ती गिर गई। उससे कार्पेट में आग लग गई। उसी से आग बढ़कर पूरे मकान में फैल गई। मो. हाशिम, उनकी बेटी निदा रिजवी, बेटी के पति अम्मार रिजवी, बेटी जारा और बेटा जोहराब रिजवी घर में रहते हैं। बेटी जारा अमेरिका में एमबीबीएस फास्ट ईयर की छात्रा है। उसको आज वापस अमेरिका जाना था। शाम की फ्लाइट थी। इसके लिए घर वालों ने पूरी तैयारियां कर ली थी। पड़ोसी बीना ने कहा सुबह मैंने उसके निदा के बेटे की आवाज सुनी कि मम्मी आग लगी है। आवाज सुनकर फौरन भागकर अपनी बालकनी में आए। सामने निदा खड़ी थी। मैंने कहा निदा उधर चली जाओ, सीढ़ियों से नीचे उतरो। उसने कहा आंटी नीचे बहुत धुआं भरा है। कैसे उतरूं। कोई सीढ़ी लगाओ। गार्ड और अन्य लोग सीढ़ी लेने भागे। इस दौरान उसके घर पर बने लकड़ी के कमरे में आग पहुंच गई। कमरा जलकर गिरने लगा। उसी के साथ निदा भी नीचे गिर गई। निदा पढ़ी-लिखी महिला थीं। वह चौक में किड्स जी स्कूल चलाती थीं। उनके पति सैय्यद मोहम्मद अम्मार अधिवक्ता हैं। वह वकालत के साथ ही प्रॉपर्टी का भी काम करते हैं। उनकी स्थित गंभीर नहीं है।

विवेक में आनंद तक पहुंचना ही स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा संदेश,अखिलेश ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद का विवेकानंद नाम ही अपने आप में कालजयी संदेश है। उन्होंने कहा कि विवेक में आनंद की अवस्था तक पहुँचना ही स्वामी विवेकानंद के जीवन-दर्शन का सार है और यही मनुष्य को आंतरिक स्वतंत्रता की ओर ले जाता है। अपने सोशल मीडिया

अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विवेक केवल बाहरी ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि अंतःकरण में जागृत होने वाली चेतना है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति किसी और के विचारों का मानसिक गुलाम न बने और अपने विवेक से सत्य-असत्य का निर्णय करे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश लोगों को स्वयं सोचने और समझने की प्रेरणा देता है, ताकि समाज बाहरी दिखावे, छद्म गतिविधियों और शब्दों के मायाजाल के पीछे छिपे ढोंग, पाखंड, स्वार्थ और महाझूठ को पहचान सके। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद की मानवता के प्रति सहृदयता और पूरे विश्व को भाईचारे का संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में राजधानी की रफ्तार थमी,3 घंटे जाम, एम्बुलेंस फंसीं

लखनऊ (संवाददाता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के लखनऊ आगमन और स्वागत कार्यक्रम के चलते राजधानी की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। सोमवार सुबह करीब 10 बजे से दोपहर एक बजे तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम रहा। जाम में एम्बुलेंस भी फंसी रहीं। डायवर्जन वाले रूट पर भी वाहन रेंगते रहे। अयोध्या रोड पर कामता तिराहे से लेकर इस्माइलगंज तक लंबा जाम लगा रहा। शहीद पथ पर कामता से हुसड़िया तक वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। सुबह से ही ट्रैफिक रेंगता रहा और दफ्तर, स्कूल व जरूरी कामों से निकलने वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के अवध क्षेत्र में प्रथम आगमन पर भाजपा लखनऊ महानगर की ओर से भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। डालीबाग स्थित नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में सुबह 8 बजे से ही हजारों की संख्या में कार्यकर्ता जुटने लगे। शंखनाद, पुष्प वर्षा, ढोल-नगाड़ों और मंत्रोच्चार के साथ प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया गया। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग के अनुसार, नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में कैंट और सरोजिनी नगर विधानसभा के कार्यकताओं द्वारा स्वागत के बाद काफिला समता मूलक चौराहे पहुंचा। यहां पश्चिम और मध्य विधानसभा की ओर से अंजनी श्रीवास्तव और रजनीश गुप्ता ने स्वागत किया। वेव मॉल के सामने उत्तर और पूर्व विधानसभा की ओर से विधायक डॉ. नीरज बोरा और ओपी श्रीवास्तव ने भव्य मंच सजाकर पंकज चौधरी का अभिनंदन किया। भव्य स्वागत कार्यक्रम के बाद लखनऊ महानगर के जनप्रतिनिधि और हजारों कार्यकर्ता कार काफिले के साथ पंकज चौधरी के साथ अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुए। इसी दौरान पॉलिटेक्निक से लेकर बाराबंकी तक लंबा जाम लगा रहा, जिससे आम नागरिकों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। रकाबगंज और आसपास के इलाकों में माल बुकिंग करने वाली ट्रांसपोर्ट गाड़ियों की आवाजाही ने जाम की समस्या को और गंभीर कर दिया। संकरी सड़कों पर भारी वाहनों के फंसने से घंटों तक ट्रैफिक पूरी तरह ठप रहा, जिससे स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों में नाराजगी देखी गई। पुराने लखनऊ के पाण्डेयगंज चौकी के पास रकाबगंज चौराहे पर रोज लगने वाला जाम इस दिन और विकराल हो गया। चौकी क्षेत्र में पुलिस की अनुपस्थिति, सड़क किनारे सब्जी विक्रेताओं और अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों ने हालात और बिगाड़ दिए। स्थिति यह रही कि वाहनों की लंबी लाइन के बीच पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया।

निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश की बढ़ीं मुश्किलें, सरकार ने थमाई चार्जशीट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कैडर के निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश पर घूसखोरी के मामले में शिकंजा कसता जा रहा है।सरकार ने उन्हें चार्जशीट थमा दी है।यह कार्रवाई उस मामले से जुड़ी है जब वे इन्वेस्ट यूपी के सीईओ के पद पर तैनात थे। सौर ऊर्जा से जुड़े प्रोजेक्ट को लेकर आईईएस ने निकांत जैन के माध्यम से रिश्वत मांगी थी। यह कदम एसआईटी ने जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और बयानों के आधार पर उठाया है। उनके बयान दर्ज करने के लिए एसआईटी ने नियुक्ति विभाग से अनुमति भी मांगी है। कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत दास ने 20 मार्च 2025 को गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में कहा गया था कि उन्होंने यूपी में सोलर सेल और सौर ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के लिए इन्वेस्ट यूपी में आवेदन किया था। तब वरिष्ठ अधिकारी ने उनके संपर्क के लिए निकांत जैन नाम के व्यक्ति को भेजा, जिसने प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए पांच फीसदी रिश्वत मांगी थी।रिश्वत देने से इनकार परफाइल रोक दी। मामले में मुख्यमंत्री योगी ने तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया था और निकांत जैन को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी।जांच में वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर अभिषेक प्रकाश का नाम सामने आया। सूत्रों के अनुसार एसआईटी की पूछताछ में निकांत ने अभिषेक प्रकाश का नाम लिया।कई ऐसे सबूत भी मिले जिससे दोनों के संपर्क की पुष्टि हुई, इसी आधार पर एसआईटी ने अभिषेक प्रकाश को आरोपी बनाया गया। नियुक्ति विभाग की अनुमति मिलने पर अभिषेक प्रकाश से पूछताछ करेगी और एसआईटी बयान दर्ज करेगी।एसआईटी ने इन्वेस्ट यूपी के सीईओ रहे निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश का भी नाम जोड़ा है. जांच में मिले साक्ष्यों, बयानों के आधार पर एसआईटी ने एफआईआर दर्ज की है। अभिषेक प्रकाश का नाम जोड़ा गया है। आईएएस का बयान दर्ज करने के लिए एसआईटी ने नियुक्ति विभाग से अनुमति मांगी है। आईएएस अभिषेक प्रकाश साल 2006 बैच के अफसर हैं।सोलर एनर्जी कंपनी से रिश्वत मांगने का मामला सामने आने के बाद योगी सरकार ने कार्रवाई करते हुए उन्हें 20 मार्च को निलंबित कर दिया था। निकांत जैन के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल है।

एआई की पैठ के मामले में अव्वल देश बना भारत, यूपी एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कॉन्फ्रेंस में बोले मंत्री जितिन प्रसाद

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग तथा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को दावा किया कि देश में प्रौद्योगिकी और एआई का बहुत बड़ा तंत्र तेजी से विकसित किया जा रहा है और भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पैठ के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। प्रसाद ने यहां उत्तर प्रदेश एआई और स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश का गंतव्य तो बन ही गया है, साथ ही अब यह टेक डेस्टिनेशन और देश का ग्रोथ इंजन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां औद्योगिकीकरण तो हुआ ही है लेकिन अब यह राज्य डिजिटाइजेशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक देश का सवाल है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है लेकिन अध्ययन बताते हैं कि एआई की पैठ के मामले में भारत नंबर एक पर पहुंच चुका है। हमारे देश में टेक्नोलॉजी और एआई का बहुत बड़ा तंत्र तेजी से बन रहा है। यह कोई मामूली चीज नहीं है। प्रसाद ने विभिन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जिक्र किया और कहा, जनता का साथ मिल रहा है तभी हम दूरगामी नीतियों के साथ काम कर रहे हैं। हम अगले 15 साल के लिए नींव तैयार कर रहे हैं। हम युवाओं के लिए ऐसी योजनाएं और निर्णायक नीतियां ला रहे हैं जिससे उनका भविष्य बेहतर बने। उन्होंने अगले महीने दिल्ली में आयोजित होने जा रहे एआई इम्पैक्ट समिट का जिक्र करते हुए कहा, एआई इंपैक्ट समिट अगले महीने दिल्ली में होने वाला है, यह बहुत बड़ी चीज है। अभी तक इस सम्मेलन की मेजबानी फ्रांस, ब्रिटेन या अन्य विकसित देशों को ही मिली है। पहली बार भारत जैसे विकासशील देश के खाते में यह सम्मेलन आया है। यह हम लोगों के लिए बहुत गर्व की बात है। प्रसाद ने कहा कि यह सम्मेलन आगामी 15 से 20 फरवरी के बीच आयोजित होगा।

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में मनाई गयी

लखनऊ (संवाददाता)। प्रतिवर्ष की भांति स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस पर झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यवासिनी कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने प्राचीनतम सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर रखा, आपने कहा कि हम स्वामी विवेकानंद जी जैसे विराट व्यक्तित्व को क्यों याद करते है क्योकिं स्वामी विवेकानंद जी से हम सभी को भारत की सनातन संस्कृति को स्वयं के आचरण में उतारने एवं इस हेतु समाज में कार्य करने की शक्ति एवं संबल मिलता है। उन्होंने बताया की स्वामी विवेकानंद जी ने दरिद्र की सेवा ही नारायण की सेवा है कहा है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश श्रम एवं निर्माण निगम की उपाध्यक्ष जयति श्रीवास्तव, अधिवक्ता देवेश कुमार, पार्षद राजीव बाजपेयी, अधिवक्ता किशन कुमार लोधी, शैलू सोनकर, विनीत यादव, अधिवक्ता विश्वेश कुमार, अधिवक्ता नितीश श्रीवास्तव, अधिवक्ता विकर्ष श्रीवास्तव, सोनू बाजपेयी, अधिवक्ता अजय श्रीवास्तव, संतोष गुप्ता, आशीष सोनकर, गौरव बाजपेयी, मनोज श्रीवास्तव, गौरव अवस्थी, शैलेन्द्र श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

केजीएमयू में ओपीडी बंद करने की तैयारी, डॉक्टर, रेजीडेंट, नर्सिंग और कर्मचारियों का अल्टीमेटम जारी

लखनऊ (संवाददाता)। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में सोमवार को शिक्षक, रेजीडेन्ट्स, नर्सिंग और कर्मचारियों की संयुक्त बैठक हुई। जिसके बाद एक अल्टीमेटम जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि यदि पुलिस हंगामा व तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई नहीं करती है, तो 24 घंटेबाद ओपीडी सेवायें बंद कर दी जायेंगी। संयुक्त बैठक के बाद जारी पत्र में कहा गया है कि कुलपति कार्यालय में हंगामा करने वालों पर 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। आगे लिखा है कि केजीएमयू परिसर में 9 जनवरी को की गई तोड़ फोड़ और महिलाओं के साथ हुई अभद्रता पर तहरीर दी गई थी, यह तहरीर प्रॉक्टर की तरफ से चौक थाने में दी गई थी, लेकिन अत्यन्त दुःखद है कि सरकारी संस्था द्वारा दी गयी तहरीर पर अराजक तत्वों को गिरफ्तार करना तो दूर 72 घंटे बीत जाने के बाद एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। संयुक्त बैठक के बाद जारी पत्र में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की कार्यशैली तक पर प्रश्न उठाया गया है और कहा गया है कि अपर्णा यादव की कार्य प्रणाली पद के अनुरूप न होकर सरकार की छवि धूमिल करने वाली थी, जिन्होंने 100-150 लोगों को लेकर कुलपति, प्रति कुलपति, अध्यक्ष विशाखा समिति व प्रॉक्टोरियल बोर्ड की महिलाओं के साथ अभद्रता की और गलत तथ्यों पर आधारित प्रेस कॉन्फ्रेन्स की। आगे लिखा गया है कि केजीएमयू डॉक्टरों को प्रशिक्षित करने के साथ गम्भीर मरीजों का उपचार करने के लिए भी विख्यात है, जिसके कुलपति और अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो बाकी शिक्षक, रेजीडेन्ट, नर्सिंग औन अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा की बात करना ही बेकार है। स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए आज से ओपीडी बन्द करने का दबाव था, लेकिन दूरदराज से आये मरीजों को ध्यान में रखते हुए 24 घंटे की सूचना देना उचित समझा गया। अतः सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि केजीएमयू प्रशासन द्वारा दी गयी तहरीर पर पुलिस द्वारा 24 घंटे में एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है, तो कल दिनांक 13 जनवरी, 2026 से आकस्मिक सेवाओं को छोड़कर ओपीडी बन्द रखी जायेगी। इस बीच हुई कार्रवाई को देखते हुए आगे के आन्दोलन की रूपरेखा के लिए दिनांक 13 जनवरी, 2026 को दोपहर 2 बजे शिक्षक, रेजीडेन्ट, नर्सिंग व कर्मचारियों के संगठनों की संयुक्त समिति की बैठक पुनः आयोजित की जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

योगी के कार्यक्रम में रोया युवक,बोला, अवॉर्ड पाने से पहले लिस्ट से नाम कटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी के कार्यक्रम में अवधेश कुमार नाम का युवक रो पड़ा। अवधेश ने बताया, युवा दिवस पर अवॉर्ड के लिए मेरा नाम शामिल था। अचानक मेरा नाम लिस्ट से काट दिया गया। सम्मान पाने के दिन ही मुझे अपमानित कर दिया गया। दरअसल, अवधेश को विवेकानंद यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाना था। अधिकारियों ने उसे इन्विटेशन भी भेजा था। 12 जनवरी को ऐनवक्त अवधेश का नाम लिस्ट से कट गया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने यूपी के 10 युवाओं को विवेकानंद यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया। प्रत्येक सम्मानित युवा को 50 हजार रुपए की पुरस्कार राशि, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र मिला। इस कार्यक्रम में सैकड़ों युवा शामिल हुए थे। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में आयोजित युवा दिवस कार्यक्रम में महिला मंगल दलों को भी सम्मानित किया गया। अवधेश लखनऊ के मोहनलाल गंज के गनेश खेड़ा गांव का रहने वाला है। उसने बताया- अवॉर्ड देने के लिए 15 नामों की लिस्ट जारी हुई थी। उनमें से 10 लोगों को चुना जाना था। मुझे एक दिन पहले लेटर भी दे दिया गया। अधिकारियों ने फोन करके बताया कि आपका नाम सिलेक्ट हो गया है। पता नहीं क्या हुआ जो सवेरे मेरा नाम ही काट दिया गया।

यूपी में 15 जनवरी को रहेगी छुट्टी, बंद रहेंगे सभी स्कूल, बैंक और ऑफिस

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने एक बड़ी घोषणा की है। 15 जनवरी 2026 को पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। यह छुट्टी मकर संक्रांति के अवसर पर घोषित की गई है। बता दें कि इस साल मकर संक्रांति 14 जनवरी की बजाय 15 जनवरी को मनाई जा रही है, इसलिए योगी सरकार ने स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तरों और बैंकों में छुट्टी की घोषणा की है। मकर संक्रांति हिंदू धर्म का एक प्रमुख और खुशी का त्योहार है। यह वह दिन है जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। इससे उत्तरायण शुरू होता है। दिन बड़े होने लगते हैं, रातें छोटी होती हैं, और सर्दी का अंत नजर आने लगता है। यह त्योहार बसंत के आगमन का भी प्रतीक है। किसानों के लिए तो यह खासकर खुशखबरी का दिन है। क्योंकि इसी समय रबी फसल जैसेगेहूं, चना, सरसों की कटाई पूरी हो जाती है। किसान नई फसल के लिए भगवान से आशीर्वाद मांगते हैं। इस दिन लोग गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, सूर्य देव की पूजा करते हैं, और तिल-गुड़ का दान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रांति पर दान करने से सौ गुना लाभ मिलता है। घरों में खिचड़ी बनाई जाती है, तिल-गुड़ की मिठाइयां बांटी जाती हैं, और आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाई जाती हैं। यह त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। खासकर गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में। तो इस 15 जनवरी को आप भी परिवार के साथ इस पावन त्योहार को पूरे उत्साह से मनाइए, पतंग उड़ाइए, तिल-गुड़ का लड्डू खाइए और खुशियां बांटिए!

लखनऊ में सीएम योगी का जनता दरबार, सुनी फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिये निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिये। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अवैध कब्जों की शिकायतों पर अधिकारियों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। आदित्यनाथ के समक्ष कुछ फरियादी जमीन कब्जा और मारपीट की शिकायत लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज तथा जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें। गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने जनता दर्शन में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है और आकलन (एस्टीमेट) मिलते ही इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी।

बहुजन समाज पार्टी की बैठक,मतदाता सूची सुधार, संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

लखनऊ /बांदा (संवाददाता)। जसपुरा कस्बे में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मतदाता सूची में सुधार, संगठन को मजबूत करने और राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती के 15 जनवरी को होने वाले जन्मदिन कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के मुख्य अतिथि बसपा मंडल प्रभारी रामशरण अनुरागी थे, जबकि तिंदवारी विधानसभा अध्यक्ष संतोष वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पूर्व मंडल कोऑर्डिनेटर लल्लू निषाद ने कार्यकताओं, बूथ इकाइयों और सेक्टर स्तर के पदाधिकारियों को मतदाता सूची की गहन जांच करने और पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने की प्रक्रिया समझाई। निषाद ने जोर दिया कि मतदाता सूची में सुधार संगठन की चुनावी मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बाद, मंडल प्रभारी रामशरण अनुरागी ने सभी बूथ, सेक्टर और विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों से 15 जनवरी को मान्यवर कांशीराम साहब स्मारक स्थल, नरैनी रोड, बांदा में आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया, ताकि इसे ऐतिहासिक बनाया जा सके। बांदा के बसपा जिलाध्यक्ष रामसेवक प्रजापति ने पार्टी की विचारधारा पर प्रकाश डाला और कार्यकताओं से 15 जनवरी के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर जिला महासचिव मलखे श्रीवास, जिला संयोजक शिवबरन वर्मा, वामसेफ के जिला संयोजक अरविंद कुमार वर्मा, पूर्व जिला महासचिव पुनीत प्रजापति, विधानसभा प्रभारी मनोज वर्मा एडवोकेट, विधानसभा उपाध्यक्ष मानसिंह गौर, मनोज वर्मा शिटंकू भैयाश, राजकमल प्रजापति, जोन इंचार्ज बीके सोनकर, एडवोकेट राजू वर्मा और विधानसभा महासचिव ब्रजकिशोर प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान को तेज करने और बसपा की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में, विधानसभा अध्यक्ष संतोष वर्मा ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि बहुजन समाज पार्टी सामाजिक न्याय और जनकल्याण के संकल्प के साथ लगातार आगे बढ़ रही है।

सम्पादकीय

ईरान में उबाल

ईरान में दशकों से जारी कट्टरपंथी शासन में गाहे-बगाहे प्रतिरोध के स्वर उभरते रहे हैं, जिनका दमन भी शक्ति से होता रहा है। लेकिन मौजूदा विरोध पिछले एक दशक में सबसे तीव्र है। प्रदर्शनकारियों के दमन और प्रदर्शनकारियों को मृत्यु दंड देने की चेतावनी के बाद नहीं लगता है कि जन-अशांति कम होगी। प्रदर्शनकारियों को ईश्वर का शत्रु बताने की ढाल ईरानी सत्ताधीशों को किस हद तक सुरक्षा कवच मुहैया कराएगी,कहना कठिन है। ये महज तात्कालिक उद्देश्य ही किसी हद तक पूरा कर सकता है।इतिहास गवाह है कि दमन से व्यापक असहमति को शायद ही कभी दबाया जा सका हो। जब भी सत्ताधीशों ने ताकत के बल पर जनभावनाओं का दमन किया, फौरी तौर पर भले ही वह दबता दिखता हो, लेकिन वास्तविकता ठीक इसके विपरीत होती है। भीतर-ही-भीतर आक्रोश सुलगता रहता है। कालांतर वह अधिक वेग से वापस लौटकर सत्ता में बदलाव लाता है। दुनिया में तमाम उदाहरण विभिन्न देशों में सामने आते हैं। वास्तव में ईरान का संकट एक एकीकृत धर्म आधारित सत्ता और खुलेपन की ओर बढ़ते समाज का टकराव है। विशेष रूप से सत्ता और युवा वर्ग के बीच खाई लगातार चौड़ी हुई है। ईरान के युवा दूसरे इस्लामिक व मध्यपूर्व के अन्य देशों में खुले समाज और विकास की नई ऊंचाइयों से प्रभावित हैं। वे अपने देश में ऐसा ही प्रगतिशील शासन देखने के आकांक्षी हैं। ये युवा गरिमामय जीवन, अधिक आर्थिक उन्नति के अवसर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, मौजूदा लोकतांत्रिक विश्व में सत्ता द्वारा संवाद के बजाय शक्ति पर निर्भरता, उसकी उस वैधता को ही कमजोर करती है, जिसे वह अपने हित में संरक्षित करना चाहती है। शासन द्वारा जनता की आवाजों को दबाने का उपक्रम अस्थायी शांति तो ला सकता है, लेकिन शासन के प्रति अविश्वास को बढ़ाता है और अलगाव की खाई को गहरा करता है। वहीं दूसरी ओर ईरान सरकार की दमनकारी नीतियों से वैश्विक समुदाय असहज महसूस कर रहा है। हालांकि, ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के दुराग्रहों का शिकार रहा है, वे जब-तब ईरान सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों के बजाय भू-राजनीतिक हितों से ज्यादा प्रेरित रही है। ईरान की परमाणु नीति के चलते उस पर व्यापक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिससे धीरे-धीरे ईरान की आर्थिक स्थिति बदतर होती चली गई। फलस्वरूप महंगाई की मार से त्रस्त जनता सड़कों पर उतर आई। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव से स्थितियों में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है। लेकिन आम लोगों की जिंदगी ज्यादा कष्टकारी हो चली है। तेहरान के साथ भारत के कूटनीतिक व आर्थिक संबंध बेहतर रहे हैं, मौजूदा स्थिति में भारत को ईरान के साथ सावधानी के साथ संतुलित संबंध बनाये रखने होंगे। ईरान के विदेश मंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान बातचीत में इस नाजुक संतुलन की परीक्षा होगी। जिसे ईरान के आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

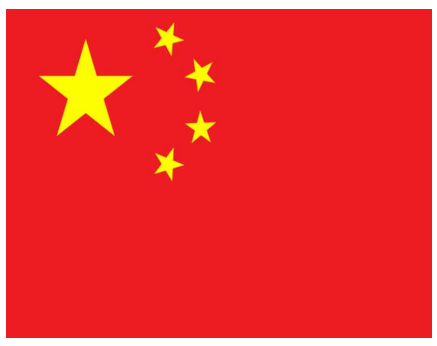

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा। भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निमार्ता संस्था राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है।

> *यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निमार्ता संस्था राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है।*

मादुरो की गिरफ्तारी से लातिन अमरीका में चीन की महत्वाकांक्षाओं को खतरा

टी. अरेड्डी

पिछले दो दशकों से चीन लातिन अमरीका में घनिष्ठ संबंध बना रहा है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमरीका द्वारा सत्ता से हटाए जाने से पश्चिमी गोलार्ध में चीनी नेता शी जिनपिंग के लिए स्थिति अचानक बदल गई है। गत शुक्रवार दोपहर को शी जिनपिंग के विशेष दूत वेनेजुएला के राष्ट्रपति भवन में थे और मादुरो के साथ हंसी-मजाक कर रहे थे, जब दक्षिण अमरीकी नेता मंदारिन में कुछ शब्द बोलने की कोशिश कर रहे थे। यह घटना अमरीकी विशेष बलों द्वारा 150 सैन्य विमानों के साथ काराकास में प्रवेश करने और तानाशाह को पकडने से कुछ ही घंटे पहले हुई थी। चीन अमरीका द्वारा एक संप्रभु राज्य के खिलाफ बल के खुले प्रयोग और उसके राष्ट्रपति पर हमले से बेहद आहत है और इसकी कड़ी निंदा करता है। बीजिंग के विदेश मंत्रालय ने अमरीकी कार्रवाई पर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा। इस भाषा से उस स्थिति पर हैरानी जाहिर होती है जो उसके नियंत्रण से बाहर थी। मादुरो के सत्ता से बेदखल होने से शी जिनपिंग की क्षेत्रीय राजनीतिक रणनीति में उथल-पुथल मच गई है, जिससे तेल आपूर्तिकर्त्ता और वाशिंगटन के लिए एक विश्वसनीय चुनौती बने वेनेजुएला की भविष्य की दिशा पर सवाल उठ रहे हैं। चीन ने मादुरो की रिहाई की मांग की है और सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक का इस्तेमाल अमरीकी कार्रवाई की निंदा करने के लिए किया, इसे वर्चस्ववादी कार्रवाई बताया। संयुक्त राष्ट्र में बीजिंग की उप स्थायी प्रतिनिधि सुन लेल ने रूस के साथ मिलकर अमरीकी कार्रवाई को बहुपक्षवाद की अस्वीकृति और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। फिर भी, विश्लेषकों का कहना है कि मादुरो के आर्थिक कुप्रबंधन से वर्षों से चली आ रही निराशा के बाद बीजिंग उनके लिए ज्यादा आंसू नहीं बहाएगा और ऊर्जा, खनन आदि क्षेत्रों में अपने हितों की रक्षा के लिए संभवतरू देश के अगले राष्ट्रपति को जल्दी ही मान्यता दे देगा। सप्ताहांत में तनाव कम हुआ और सोमवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि वेनेजुएला के साथ द्विपक्षीय सहयोग जारी रहेगा। वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बावजूद, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने की चीन की तत्परता अपरिवर्तित रहेगी, और वेनेजुएला में चीन के वैध हितों की रक्षा की जाएगी। राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रशासन द्वारा पिछले महीने जारी की गई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के कुछ दिनों बाद, जिसमें लातिन अमरीका में गैर-गोलार्धीय प्रतिस्पर्धियों को रोकने की प्रतिज्ञा के साथ चीन की ओर इशारा किया गया था, बीजिंग ने अपनी रणनीति जारी कर इसकी पुष्टि की-क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहने की इसकी प्रतिबद्धता। बीजिंग के नए नीति पत्र में कहा गया है कि वह पूरे लातिन अमरीका में राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए खड़ा है और वर्चस्ववाद और सत्ता की राजनीति का विरोध करेगा। अगर वाशिंगटन खुद को पुलिस की भूमिका में स्थापित करता है या क्षेत्रीय देशों पर चीन के खिलाफ अपनी पकड़ मजबूत करने का दबाव डालता है, तो अन्य देशों पर भी इसका असर पड़ेगा। बीजिंग की अपनी आध्थिक मंदी ने इसकी उदारता को कम कर दिया है, जबकि स्थानीय सरकारें अमरीका के साथ भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में इसका मोहरा बनने को लेकर तेजी से सतर्क हो रही हैं। इस बीच, वेनेजुएला में बीजिंग के लिए दाव को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने में जोखिम है। हालांकि चीन अंततरू वेनेजुएला के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन यह चीन के आयात का 1 प्रतिशत से भी कम है और निवेश के मामले में यह क्षेत्र में चीन का 9वां सबसे बड़ा देश है। वेनेजुएला का महत्व इस तथ्य में निहित है कि बीजिंग को मादुरो से इतनी निराशा क्यों है-वजह है उस पर भारी कर्ज। विलियम एंड मैरी की अनुसंधान प्रयोगशाला एडडाटा के अनुसार, परियोजना प्रतिबद्धताओं में लगभग 106 बिलियन डॉलर शामिल हैं। लेकिन लातिन अमरीकी मामलों को विशेष प्रतिनिधि क्यू शिआओकी का शहर में होना ही बीजिंग की खुफिया विफलता को दर्शाता है, क्योंकि वह अमरीकी हमले का अनुमान नहीं लगा पाया था। मादुरो और उनकी (तब संभावित) उत्तराधिकारी, उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने क्यू की मेजबानी एक ऐसे कमरे में की, जिसमें लातिन अमरीकी मुक्तिदाता साइमन बोलिवर की एक पेंटिंग लगी हुई थी और चीनी प्रतिनिधिमंडल ने द्विपक्षीय संबंधों के 52 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उपहार के रूप में एक चीनी मिट्टी का फूलदान भेंट किया।

कैसे हल हो भारत में दूषित जल की समस्या?

विनीत नारायण

भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, आज दूषित जल के एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2025-2026 में, नल के दूषित पानी से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और 26 शहरों में 34 मौतें हुईं। ये आंकड़े न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि एक बड़ी राष्ट्रीय समस्या की ओर इशारा करते हैं। भारत की प्रमुख नदियां, जैसे गंगा और यमुना, औद्योगिक अपशिष्ट, अनुपचारित सीवेज और कृषि अपवाह से बुरी तरह प्रदूषित हैं। विश्व जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है और लगभग 70 प्रतिशत भूजल स्रोत दूषित हैं। दूषित जल की समस्या भारत में बहुआयामी है। मुख्य कारणों में अनुपचारित सीवेज सबसे बड़ा है, जो नदियों और भूजल को प्रदूषित करता है। इसके अलावा, कृषि से निकलने वाले कीटनाशक और उर्वरक तथा उद्योगों से निकलने वाले रसायन, जैसे भारी धातु और विषाक्त पदार्थ जल स्रोतों को नष्ट कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा और चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट कई नदियों को प्रभावित कर रहा है। 163 मिलियन भारतीयों के पास सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है और 21 प्रतिशत संक्रामक रोग जल से संबंधित हैं। हाल ही में इंदौर और अन्य शहरों के घटनाक्रमों ने इस समस्या को और उजागर किया है। यह असंगति सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। पूरे देश में टाइफाइड जैसे रोग फैल रहे हैं, जो दूषित पानी से जुड़े हैं। आर्थिक रूप से, यह संकट उत्पादकता को प्रभावित करता है,

क्योंकि बीमारियां कार्यबल को कमजोर करती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है। सरकार की उदासीनता इस समस्या का एक प्रमुख कारण है। केंद्र सरकार पर आरोप है कि वह स्वच्छ जल और स्वच्छ हवा प्रदान करने में विफल रही है। विपक्ष के अनुसार मुख्य कारणों में कमी नियमों की है, जिनमें अत्यधिक निजीकरण, सरकारी भ्रष्टाचार और सामान्य उपेक्षा शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार चुनावी वादे जैसे हर घर जल योजना लागू तो हुई, लेकिन गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। भ्रष्टाचार के कारण फंड का दुरुपयोग होता है और स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा अभी भी पुराना है। सीवेज और पेयजल लाइनों की मिश्रण जैसी समस्याएं आम हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, जल गुणवत्ता 2025-26 में एक प्रमुख चुनौती है लेकिन इस गंभीर चुनौती को कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) को स्थानांतरित करने की बजाय सरकार को अधिक सक्रिय होना चाहिए। यह उदासीनता न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाती है, क्योंकि इससे गरीब तबके के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूषित जल की समस्या का समाधान संभव है, यदि बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाए। सबसे पहले, स्रोत पर प्रदूषण को रोकना जरूरी है। उद्योगों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए बाध्य किया जाए। कृषि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करें, ताकि रसायनों का अपवाह कम हो। सीवेज उपचार को 100 प्रतिशत बनाना चाहिए, जो वर्तमान में अपर्याप्त है। आंकड़े बताते हैं कि पश्चिमी देशों के अनुभव काफी उपयोगी साबित हुए हैं। स्विट्जरलैंड में शहरी जल उपचार की गुणवत्ता सर्वोच्च है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वहां का नल का पानी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। वे अपशिष्ट जल को पुनर्चक्रित करते हैं, जो कई देशों में अपनाया जाता है। यूरोप में ब्लू रिवोल्यूशन रणनीति कुशल उपयोग, अपशिष्ट कमी और पारिस्थितिक संतुलन पर जोर देती है। प्रबंधित एक्विफर रिचार्ज (एम.ए.आर.) जैसी विधियां अपनाई जाती हैं, जिसमें नदी तलों को समायोजित करना, बैंक फिल्ट्रेशन, सतही पानी का वितरण और रिचार्ज कुओं का उपयोग शामिल है। वहीं अमरीका और यूरोप में मेम्ब्रेन सैपरेशन टैक्नोलॉजी, सोलर वाटर डिसइंफैक्शन (एस.ओ.डी.आई.एस.) और सिरेमिक फिल्ट्रेशन जैसी तकनीकें आम हैं। यूरोपीय संघ में जल बचत पर जोर है, विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए। काऊंसिल ऑफ यूरोपियन बैंक ने 16 देशों में जल और स्वच्छता परियोजनाओं में 1.8 बिलियन यूरो का निवेश किया है। प्रकृति-आधारित समाधान (एन.बी.एस.) यूरोप में जल प्रबंधन में उपयोगी हैं, जैसे वैटलैंड्स और वन क्षेत्रों का उपयोग फिल्टर के रूप में किया जाना। भारत को पश्चिमी अनुभवों से सीखते हुए उनके सफल उपायों को अपनाना चाहिए। स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर भी जोर दिया जाए, नवीनतम तकनीकी का नवाचार करने पर भी जोर देने की आवश्यकता है।

मोदी के हाथ में त्रिशूल और डमरू

गले में भगवा गमछा, माथे पर त्रिपुंड और हाथों में भगवान शिव की तरह त्रिशूल और डमरू पकड़े हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया अवतार सामने आया है। अलग-अलग विचारधारा और कार्यशैली के प्रधानमंत्री देश ने देखे हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री को देश देख रहा है, जिनकी वक्त-वक्त पर बदलती वेशभूषा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की याद दिलाती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी कोई भी काम अकारण नहीं करते। इस बार हिंदुत्व का जयघोष करने वाली मुद्रा उन्होंने सोमनाथ में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश के लिए धारण की। इस उत्सव को श्भव्यश बनाने में गुजरात की भाजपा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इसके गहरे राजनैतिक निहितार्थ भी हैं।एक हजार साल पहले1026 में सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला हुआ था। उसी याद में यह उत्सव मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी है। लोककथाओं के अनुसार यहीं श्रीकृष्ण ने देहत्याग किया था। यह ऐतिहासिक मंदिर अब भाजपा के लिए राजनैतिक महत्व का भी बन गया है प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, श्यह उत्सव विनाश को याद करते हुए नहीं बल्कि आस्था, सांस्कृतिक आत्मसम्मान और पुनर्जन्म की भावना के सम्मान के रूप में मनाया जा रहा है।श दरअसल प्राचीन सोमनाथ मंदिर में कई गांवों का चढ़ावा आता था, जिससे यहां सोने, चांदी, बड़ी संख्या में मोतियों और अनमोल रत्नों समेत बड़ी धनसंपदा सदियों से जमा थी और इस वजह से विदेशी हमलावर इसे लूटना चाहते थे। महमूद गजनी ने 1026 में जब भारत पर एक और आक्रमण किया तो उस समय गुजरात में चालुक्य वंश के राजा भीम प्रथम का शासन था, महमूद गजनी ने तभी सोमनाथ पर पहला आक्रमण किया था। इसके बाद कई और शासकों और आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए और इसकी धन संपदा को लूटा। मध्ययुग का वह दौर ऐसा ही था, जिसमें राज्य और शक्ति बढ़ाने के लिए शासक खुलेआम लूटपाट करते थे। अभी अमेरिका इसी तरह के काम कर रहा है, बस इसमें लोकतंत्र का आवरण ओढ़ लिया है और सीधे-सीधे गैर धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया जा रहा है।खैर, सोमनाथ पर कम से कम 16 बार आक्रमण और देश के दूसरे हिंदू धर्मस्थानों पर हुए आक्रमण के बावजूद देश से न हिंदू धर्म खत्म हुआ, न हिंदुओं के अस्तित्व पर कोई खतरा आया। लेकिन मोदीराज में आस्था के पुनर्जन्म के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करके सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया। सोमनाथ पर भाजपा पहले भी सफल दांव खेल चुकी है। दिसंबर 1989 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पहली बार अपने चुनावी घोषणापत्र में राम मंदिर (अयोध्या) निर्माण के मुद्दे को शामिल किया था। तब उसकी लोकसभा सीटें बढ़ीं, फिर 1991 में लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक अपनी रथ यात्रा शुरू की, जिसके बाद भारत में वही धार्मिक विभेद की खाई गहरी होनी शुरू हुई, जो भाजपा की सत्ता के लिए जरूरी थी। 1992 में बाबरी मस्जिद तोड़ी गई। फिर 1996 में भाजपा को केंद्र की सत्ता में आने का मौका पहली बार मिला। और अब नरेन्द्र मोदी के आने के बाद तो 12 सालों से भाजपा के पास सत्ता है। ध्यान रहे कि आडवाणी की रथयात्रा में गुजरात में नरेन्द्र मोदी को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे मोदी ने सफलतापूर्वक निभाया।सवाल भाजपा को सत्ता में लाने का था, तो नरेन्द्र मोदी ने पूरी तैयारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। लेकिन अभी प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल संभालने के बाद मोदी लगातार अपने पद की गरिमा निभाने में नाकाम दिख रहे हैं। इंदौर में कई लोग दूषित पेयजल से मर गए, मोदी ने उफ तक नहीं की। दिल्ली से लेकर कई शहरों में हवा जानलेवा बनी हुई है। उन्नाव की पीड़िता इंसाफ के लिए लड़ती रही, मोदी चुपचाप देखते रहे। अभी अंकिता भंडारी मामले में लोगों ने आक्रोश न दिखाया होता तो भाजपा सरकार बेफिक्र बैठी रहती। उत्तरप्रदेश में लगातार महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। एसआईआर में एक तरफ कई बीएलओ काम के बोझ से मर गए, तो दूसरी तरफ बुजुर्ग और गरीब मतदाता परेशान हो रहे हैं, मोदी को इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा। अरावली के पहाड़ काटने से लेकर मनरेगा खत्म करने जैसे बेसिरपैर के फैसले ले लिए गए। विपक्षी दलों को दुश्मन समझ कर उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। देश में महंगाई और बेरोजगारी संभल नहीं रही है। रूपया कितना गिर गया है, इस बारे में मोदी बात नहीं करते। ट्रंप हर दूसरे दिन मोदी और देश का अपमान कर रहे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ऊटपटांग तर्क देकर ट्रंप और मोदी के अच्छे रिश्तों की गवाही दे रहा है। गलवान का हमला और सैनिकों की शहादत भुलाई जा चुकी है और अब चीन के साथ व्यापार शुरू हो गया है। पहलगाम और दिल्ली के आतंकी हमलों पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसकी कोई चर्चा नहीं होती। यानी मोदी चाहें तो उनके पास करने के लिए ढेरों काम हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड एफए कप से बाहर; बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर स्पैनिश सुपर कप जीता

लंदन (एजेंसी)। मुख्य कोच रुबेन अमोरिम को बर्खास्त करने बाद भी मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्रदर्शन में किसी तरह का सुधार नहीं हुआ और उसकी टीम ब्राइटन से 2-1 से हारकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गई। प्रीमियर लीग की दिग्गज टीम और 13 बार की एफए कप विजेता मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के कारण पिछले सप्ताह ही अपने मुख्य कोच रुबेन को पद से हटा दिया था। ब्रजन ग्रुडा ने 12वें मिनट में ब्राइटन को बढ़त दिलाई। इसके बाद यूनाइटेड के पूर्व स्ट्राइकर डैनी वेलबेक ने 64वें मिनट में ब्राइटन की तरफ से दूसरा गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। यूनाइटेड की तरफ से बेंजामिन सेस्को ने अंतिम समय में गोल किया जिससे हार का अंतर ही कम हो पाया। इस बीच आर्सेनल ने गैब्रियल मार्टिनेली की हैट्रिक की मदद से पोर्ट्समाउथ के खिलाफ 4-1 की जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह बनाई।

यह सच नहीं लगता... रानी मुखर्जी ने करियर जर्नी को किया याद

बॉलीवुड में पूरे किए 30 साल

सोमवार को रानी मुखर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें बॉलीवुड में अपने तीस साल पूरे होने की बात का जिक्र किया। साथ ही अपनी करियर जर्नी को याद किया। रानी मुखर्जी के बॉलीवुड करियर को तीस साल हो चुके हैं। उन्होंने इस सफर के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे और एक एक्ट्रेस के तौर पर खुद को निखारा। इस दौरान उन्होंने जो कुछ अनुभव किया, उसका जिक्र अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया है। यशराज फिल्म्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर रानी मुखर्जी की यह पोस्ट शेयर की गई है। जानिए, अपनी करियर जर्नी को लेकर रानी मुखर्जी ने क्या कहा? रानी मुखर्जी ने बताया कैसे सिनेमा की दुनिया में आईं? रानी मुखर्जी ने अपनी पोस्ट में लिखा, तीस साल, जब मैं यह बात जोर से कहती हूं तो यह सच नहीं लगता है। लेकिन यह बात मुझे बताती है कि अगर आप दिल से कोई ऐसा काम करते हैं जिससे आप प्यार करते हैं, तो समय पंख लगाकर उड़ जाता है। आप और ज्यादा काम करना चाहते हैं। तीस साल पहले मैंने एक्ट्रेस बनने के किसी बड़े प्लान के बिना एक फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक यंग लड़की लगभग इत्तेफाक से सिनेमा की दुनिया में आई। लेकिन मुझे इस काम से प्यार हो गया। अपनी पोस्ट में रानी मुखर्जी ने पहली फिल्म राजा की आएगी बारात से लेकर साथिया, बंटी और बबली, हम तुम, नो वन किल्ड जेसिका और ब्लैक जैसी फिल्मों का जिक्र किया। इन फिल्मों से जुड़े अनुभव साझा किए। इनके बाद वह फिल्म मदार्नी की बात करती हैं। वह पोस्ट में लिखती हैं, फिल्म मदार्नी मेरे दिल में एक खास जगह रखती है। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में लाउड हीरोइज्म नहीं है। इस फिल्म के जरिए मैंने जाना कि ऐसी कहानियां बताना कितना जरूरी है। यह कहानियां लोगों को असहज करती हैं लेकिन एक उम्मीद भी जगाती हैं। आगे पोस्ट में उन्होंने शादी और मां बनने के बारे में बात की।

आशीष चंचलानी की एकाकी को मिला खास सम्मान, रॉकिंग स्टार यश ने दी बधाई

आशीष चंचलानी देश के सबसे बड़े डिजिटल एंटरटेनर्स में से एक हैं। एक सफल परफॉर्मर के रूप में अपनी पहचान बनाने के बाद, आशीष ने अब अपने करियर में एक नया क्रिएटिव कदम उठाया है। उन्होंने सीरीज एकाकी के जरिए डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू किया है। हॉरर-कॉमेडी थ्रिलर एकाकी ने इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चा बटोरी है और दर्शकों के साथ-साथ सेलेब्रिटीज

और फिल्ममेकर्स से भी खूब सराहना मिल रही है।एकाकी की सफलता के बीच आशीष को हाल ही में एक और खास बधाई संदेश मिला। इस बार उन्हें शुभकामनाएं दीं रॉकिंग स्टार यश ने। आशीष ने एक्स (पहले ट्विटर) पर यश को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनकी आने वाली फिल्म के लिए उत्साह जताया। इसके जवाब में यश ने एकाकी की कामयाबी पर आशीष को बधाई दी, जो उनके सफर का एक यादगार पल बन गया। आशीष ने यश को लिखा, ह्लएक लीजेंड को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं /जैमछंउमेप्लै, बॉस३ बहुत एक्साइटेड हूँ घ्द (और भी ज्यादा मस्कुल्ड)ह्लमशहूर सेलेब्रिटीज के सरप्राइज कैमियो, दिलचस्प कहानी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ यह शो हर नए एपिसोड के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहा है। एकाकी में आशीष चंचलानी ने कई जिम्मेदारियां निभाई हैं कृ वे इसके लेखक, निर्देशक, निमार्ता और लीड एक्टर भी हैं, जो उनकी बड़ी सोच और क्रिएटिव विजन को दशार्ता है। इस सीरीज में उनकी करीबी टीम भी उनके साथ जुड़ी है। कुणाल छाबरिया को-प्रोड्यूसर हैं, आकाश दोडेजा पैरेलल लीड की भूमिका में हैं, जशन सिरवानी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं और तनिष सिरवानी शो की क्रिएटिव दिशा संभाल रहे हैं। इसका स्क्रीनप्ले ग्रिशिम नवानी के साथ मिलकर लिखा गया है, जबकि रितेश साधवानी लाइन प्रोड्यूसर के तौर पर प्रोडक्शन को सुचारू रूप से संभाल रहे हैं। नई, दमदार और अलग तरह की कहानी पेश करने वाला एकाकी का पहला एपिसोड 27 नवंबर 2025 को और लेटेस्ट एपिसोड 5 जनवरी 2026 को यूट्यूब चौनल पर रिलीज हुआ है।

जूनियर कृष याद है? एक्टिंग छोड़ बने नामी सर्जन, ऋतिक भी रह गए हैरान

2006 में आई सुपरहीरो फिल्म कृष में ऋतिक रोशन के बचपन का किरदार निभाने वाला चाइल्ड आर्टिस्ट मिकी धमेजानी अब फिल्मों से दूर अपनी नई पहचान बना चुके हैं। मिकी ने एक्टिंग छोड़कर डॉक्टर बनने का रास्ता चुना और अब वे नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं। मिकी धमेजानी ने अपने करियर की शुरूआत फिल्मों से की थी। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान 2006 में आई फिल्म कृष में जूनियर कृष का किरदार निभाने के बाद मिली। उस समय उनके अभिनय और लुक ने दर्शकों

का दिल जीत लिया था। इसके बाद मिकी ने कई फिल्मों में काम किया, जैसे ईट प्रे लव और शाहिद कपूर की डेब्यू फिल्म इश्क विश्क। हालांकि, मिकी ने बाद में एक्टिंग छोड़ दी और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नवी मुंबई के एमजीएम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज से डठठै पूरी की और फिर मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से आगे की पढ़ाई की। अब मिकी ने नेत्र विशेषज्ञ के रूप में अपने पेशे में नाम कमाया है। हाल ही में मिकी ने ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों नजर आए। इस वीडियो में ऋतिक ने मिकी से कहा मुझे नहीं पता कि मैं तुमसे कैसे रिलेट करूं। तुम अब डॉक्टर बन गए हो। यह बहुत ही शानदार है। मैं जल्दी ही तुम्हारे पास आ रहा हूं। फैंस ने भी इस वीडियो पर जमकर रिएक्शन दिया। कई लोग हैरान रह गए कि वही जूनियर कृष अब डॉक्टर बन चुके हैं, जबकि कुछ ने दोनों की बॉन्डिंग की तारीफ की। अब मिकी लोगों की आंखों की जांच और इलाज करते हैं। उनके नए पेशे ने उन्हें बहुत सम्मान दिलाया है। मिकी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके एक्टिंग के दिनों से मिली सीख ने उन्हें डॉक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। जूनियर कृष मिकी धमेजानी अब एक्टिंग छोड़कर सफल डॉक्टर बन चुके हैं और अपने मरीजों की जिंदगी में खुशियां लाने का काम कर रहे हैं।

द ताज स्टोरी: शोर नहीं, कंटेंट का कमाल- 6 हफ्तों की बॉक्स ऑफिस जीत

फिल्म द ताज स्टोरी हाल के समय की सबसे चर्चित और व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। इस फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया, बल्कि भारत और विदेशों में दर्शकों के दिल भी जीत लिए। मात्र 11 करोड़ के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने 30 करोड़ से अधिक का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया और लगातार छह मजबूत सप्ताहों तक सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर स्वयं को एक बड़ी हिट के रूप में स्थापित किया। द ताज स्टोरी को खास बनाता है इसका साहसी और प्रभावशाली कथानक, जो ताजमहल से जुड़े वास्तविक और अब तक अनकहे सच को सामने लाता है। यह विषय पीढ़ियों से लोगों को आकर्षित करता रहा है, लेकिन इसे इतनी गहराई, संवेदनशीलता और सिनेमाई ईमानदारी के साथ बहुत कम फिल्मों ने प्रस्तुत किया है। दर्शकों ने इस नए दृष्टिकोण को खुले दिल से स्वीकार किया और फिल्म की सच्चाई, साहस और प्रामाणिकता की जमकर सराहना की। बाहुबली द एपिक, दे दे प्यार दे 2, हक और मस्ती जैसी बड़ी और चर्चित फिल्मों के साथ और बाद में रिलीज होने के बावजूद, द ताज स्टोरी ने न केवल अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी, बल्कि छह हफ्तों तक अपनी दमदार थिएटर रन जारी रखते हुए सभी अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। फिल्म की निरंतर बॉक्स ऑफिस सफलता यह साबित करती है कि सशक्त कंटेंट और ईमानदार कहानी बड़े बजट और भव्यता पर भारी पड़ सकती है। फिल्म की एक बड़ी खासियत है परेश रावल का सशक्त और प्रभावशाली अभिनय, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने उनके हालिया करियर के सबसे दमदार प्रदर्शनों में से एक बताया है। उनके अभिनय ने कहानी को गहराई और भावनात्मक वजन दिया, जिससे ताजमहल की सच्चाई और अधिक प्रभावशाली ढंग से दर्शकों तक पहुँची। आलोचनात्मक रूप से सराही गई और व्यावसायिक रूप से सफल, द ताज स्टोरी को एक पूरी तरह से योग्य सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इसकी पटकथा, शानदार निर्देशन, अभिनय और विषय की प्रासंगिकता की हर स्तर पर प्रशंसा हुई है। छह सप्ताह तक दर्शकों की रुचि बनाए रखना फिल्म की मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ लोकप्रियता को और भी मजबूत करता है। इस फिल्म का निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है, जिनकी दूरदर्शिता ने इस सशक्त कहानी को बड़े पर्दे तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिल्म का लेखन और निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया है, जिनकी स्पष्ट सोच और निडर प्रस्तुति को व्यापक सराहना मिली है। वहीं क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशाम ने अपनी रचनात्मक दृष्टि से फिल्म को भावनात्मक और सिनेमाई रूप से मजबूती प्रदान की है। छह हफ्तों की सफल बॉक्स ऑफिस यात्रा, शानदार कलेक्शन और लंबे समय तक रहने वाले सांस्कृतिक प्रभाव के साथ, द ताज स्टोरी आज एक ऐसी सार्थक फिल्म के रूप में खड़ी है जो सच कहने का साहस रखती है-और उसी साहस के लिए दर्शकों द्वारा भरपूर सम्मान और समर्थन प्राप्त करती है।

आमिर खान या सुनील ग्रोवर? आमिर खान प्रोडक्शंस का मजेदार वीडियो देख वीर दास भी हो गए कन्फ्यूज

कई हिट फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के बाद, देश के बड़े प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शंस अब हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस के साथ एक और मजेदार कहानी बड़े पर्दे पर ला रहा है। यह आने वाली स्पाई-कॉमेडी फिल्म अभिनेता-कॉमेडियन वीर दास को लीड रोल में पेश करती है और खास बात यह है कि यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी यह जानने को बेताब हैं कि यह नया एंटरटेनर क्या धमाल मचाने वाला है। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने जबरदस्त चर्चा बना दी है, जिससे इस बैनर की एक और हिट को लेकर उम्मीदें और

बढ़ गई हैं। रिलीज के करीब आते ही आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें आमिर खान और वीर दास नजर आए। इस वीडियो में सरप्राइज एंट्री किसी और की नहीं बल्कि अभिनेता-कॉमेडियन सुनील ग्रोवर की है। सुनील ग्रोवर अपनी मजेदार मिमिक्री से सबको हँसने पर मजबूर कर देते हैं, जहां वह आमिर खान की नकल करते हुए न सिर्फ उनके हाव-भाव बल्कि उनके आउटफिट तक को बिल्कुल सही तरीके से कॉपी करते हैं। उनकी परफेक्ट नकल की वजह से वीर दास और आमिर खान के साथ उनकी बातचीत ठहाकों से भर जाती है। यह वीडियो बेहद मजेदार है और फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा देता है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी असरदार और अलग सोच वाली फिल्मों के साथ हमेशा नए स्टैंडर्ड सेट किए हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए यह बैनर हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस के लिए एक बार फिर मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन और अभिनेता वीर दास के साथ जुड़ रहा है। अपनी दुनियाभर में पसंद की जाने वाली कॉमेडी स्पेशल्स और गो गोआ गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी यादगार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले वीर दास की यह आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरी फिल्म है, जिससे यह प्रोजेक्ट बैनर की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक बन गया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्राइम वीडियो की नई तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म चीकाटीलो का रोमांचक ट्रेलर रिलीज

भारत के सबसे लोकप्रिय मनोरंजन प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने आज एक इमोशनल तेलुगु क्राइम सस्पेंस ड्रामा, चीकाटीलो का एक जबरदस्त ट्रेलर लॉन्च किया। तेजी से विकसित हो रहे हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में संध्या की यात्रा दिखाई गई है, जो एक टू-क्राइम पॉडकास्टर है। शोभिता धुलिपाला द्वारा निभाया गया यह किरदार अपने पॉडकास्ट के जरिए बीस साल से निष्क्रिय पड़े एक सीरियल किलर के रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश करती है। फिल्म का निर्देशन शरण कोपिशेट्टी ने किया है और इसका निर्माण डी. सुरेश बाबू ने सुरेश प्रोडक्शंस प्रा. लि. के बैनर तले किया है। इसकी दमदार कहानी चंद्र पेम्मराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, वहीं चैतन्य विश्वलक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। तेलुगु फिल्म चीकाटीलो का प्रीमियर 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से किया जाएगा। चीकाटीलो का ट्रेलर हैदराबाद की अंधेरी दुनिया की एक रोमांचक झलक पेश करता है, जहां संध्याकृएक क्रिमिनोलॉजी ग्रेजुएट और टू-क्राइम पॉडकास्टर हैं जो खुद को बिल्ली-और-चूहे के खतरनाक खेल में फंसा हुआ पाती है। एक चौंकाने वाली हत्या बीते अपराधों की कड़ी उजागर कर देती है, जिससे सच और इंसाफ की तलाश और भी तनावपूर्ण हो जाती है। अपने पॉडकास्ट को एक इन्वेस्टिगेशन टूल रूप में इस्तेमाल करते हुए संध्या एक निर्दयी हत्यारे को चुनौती देती है और उसे सामने लाने की कोशिश करती है। जैसे-जैसे कहानी का तनाव बढ़ता है, घटनाक्रम एक सिहरन पैदा कर देने वाले खुलासे की ओर बढ़ता है। लेकिन सवाल यही है क्या सच सामने आएगा, या फिर संध्या खुद उस हत्यारे का अगला शिकार बन जाएगी? सस्पेंस और भावनाओं से भरपूर यह ट्रेलर एक ऐसी दिल-दहला देने वाली खोज की नींव रखता है, जो 23 जनवरी से, सिर्फ प्राइम वीडियो पर शुरू होगी। चीकाटीलो के निर्देशक और सह-लेखक शरण कोपिशेट्टी ने साझा किया, ह्लचीकाटीलो का निर्देशन मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक यात्रा रही हैं एक ऐसा अनुभव जिसने मुझे एक साधारण-सी दिखने वाली अपराध कहानी के पीछे छिपे इंसानी और अंधेरे पहलुओं को समझने और दिखाने का मौका दिया। अपने मूल में यह फिल्म सिर्फ एक क्राइम-सस्पेंस नहीं है, बल्कि यह हिम्मत, खामोशी और ताकत के खिलाफ संघर्ष, और इंसाफ को सामने लाने के साहस की कहानी है। अब जब ट्रेलर रिलीज हो चुका है, तो दर्शक उस तनाव और रहस्य से भरी दुनिया की झलक देख सकते हैं, जिसे हमने बनाया है। प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी करना हमारे लिए बेहद खास और सार्थक रहा है ।

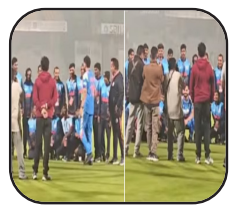

भारत को जिताने के बाद कोहली ने फैंस का दिल जीता; मैदान कर्मियों के साथ खिंचवाई तस्वीर

वडोदरा (एजेंसी)। विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन बनाकर 28,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और भारत को जीत दिलाई। मैच के बाद उन्होंने ग्राउंड स्टाफ के साथ रुककर तस्वीरें खिंचवाईं, जिससे एक बार फिर साबित हुआ कि उनकी महानता सिर्फ रिकॉर्ड्स में नहीं, बल्कि विनम्रता और सम्मान में भी झलकती है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में भारत को चार विकेट से जीत मिली। यह मैच कई मायनों में यादगार रहा, लेकिन सिर्फ स्कोरबोर्ड या रिकॉर्ड्स की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे छोटे पर बेहद दिल छू लेने वाले पल की वजह से, जिसने दर्शाया कि विराट कोहली सिर्फ महान बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी उतने ही विनम्र हैं। मैच में बना बड़ा रिकॉर्ड 37 वर्षीय विराट कोहली ने इस मुकाबले में 93 रन की शानदार पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 28,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए और इस ऑल-टाइम लिस्ट में अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर उनसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। शतक से महज सात रन दूर रहकर आउट होना थोड़ा निराशाजनक जरूर था

एक पत्रकार से डरा चीन, लगा दिया देशद्रोह का आरोप

सजा तय करने के लिए कोर्ट में बहस

हांगकांग (एजेंसी)। हांगकांग की कोर्ट में पत्रकार जिमी लाई और उनके सह-आरोपियों पर सजा तय करने के लिए बहस हुई। वह कभी मीडिया टाइकून और लोकतंत्र का समर्थन करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी पाए जाने पर उन्हें उम्रकैद हो सकती है। 78 साल के लाई एप्पल डेली अखबार के संस्थापक थे। यह कंपनी अब बंद हो चुकी है। वह चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक हैं। उन्हें 2020 में बीजिंग द्वारा लागू किए गए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाहरी लोगों के साथ देश के खिलाफ साजिश रचने और लेख प्रकाशित करने का दोषी पाया गया है। अमेरिका और ब्रिटेन ने गिरफ्तारी की आलोचना की उनका मामला बीजिंग के राजनयिक संबंधों पर भी काफी असर डाल सकता है। इसका कारण यह है कि अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशी सरकारों ने उनकी गिरफ्तारी की आलोचना की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि लाई को दोषी ठहराए जाने पर उन्हें बुरा लगा। लाई को कोर्ट लाए जाने से पहले दर्जनों लोग पब्लिक गैलरी में जगह पाने के लिए कोर्ट के बाहर कतार में लग गए थे। लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिश रचने के दो मामलों में और देशद्रोह किताबें बांटने की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया। लाई ने सभी आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। सुरक्षा कानून के तहत मिलीभगत के आरोप में दोषी पाए जाने पर तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है, जो अपराध की प्रकृति और उसमें उसकी भूमिका पर निर्भर करता है। सरकार द्वारा चुने गए तीन जजों ने दिसंबर में अपने फैसले में लिखा कि लाई ने ही इन साजिशों का नेतृत्व किया था। लाई के वकीलों ने ट्रायल के दौरान माना कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने से पहले उन्होंने विदेशी प्रतिबंधों की मांग की थी, लेकिन उन्होंने कानून का पालन करने के लिए इन मांगों को छोड़ दिया था। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आधार पर भी तर्क दिया। लाई को छोड़कर बाकि सबने जुर्म कबूल किया एप्पल डेली के छह पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक और लाई के मामले में शामिल दो कार्याकताओं ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उन्होंने यह माना था कि लाई और दूसरों के साथ मिलकर विदेशी ताकतों से प्रतिबंध लगाने, नाकेबंदी करने या दूसरी दुश्मन वाली गतिविधियों में शामिल होने का अनुरोध करने की साजिश रची थी। जुर्म कबूल करने से आमतौर पर सजा कम हो सकती है। सुरक्षा कानून के तहत, दूसरों द्वारा किए गए अपराध की शिकायत करने वालों को कम सजा दी जा सकती है। पांच साल से हिरासत में हैं लाई लाई पांच वर्षों से हिरासत में हैं और वह काफी पतले हो गए हैं। अगस्त में, उनके वकीलों ने कोर्ट को बताया कि उन्हें दिल की धड़कन की समस्या है। हांगकांग सरकार ने कहा कि शिकायक के बाद लाई के स्वास्थ की जांच की गई। उनकी मेडिकल जांच में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। फैसले के बाद, उनकी बेटी, क्लेयर ने कहा कि अगर लाई रिहा होते हैं, तो वह राजनीति के बजाय खुद को भगवान और अपने परिवार के लिए समर्पित कर देंगे।

मुंबई की पूर्व मेयर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची शिवसेना, गलत सूचना के साथ नामांकन दाखिल करने का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर की। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और पूर्व नगर महापौर किशोरी पेडनेकर के नगर निगम चुनाव नामांकन को चुनौती दी है। उनपर कई तथ्य छिपाने के आरोप लगया है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में कुछ दिन ही बचे हैं। इसी बीच शिवसेना के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर किया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और पूर्व नगर महापौर किशोरी पेडनेकर के नगर निगम चुनाव नामांकन को चुनौती दी है। उनका आरोप है कि पेडनेकर ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में जानकारी छुपाई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना की प्रवक्ता सुसी शाह ने

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र करते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की। हालांकि, अदालत ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों में केवल कुछ ही दिन बचे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद याचिका पर सुनवाई की जाएगी। पेडनेकर ने वार्ड 199 (मध्य मुंबई) से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र जमा कर दिया है। शाह ने अपने वकील कल्पेश जोशी के माध्यम से दायर याचिका में उच्च न्यायालय से रिटर्निंग ऑफिसर को पेड़नेकर के फॉर्म को अवैध, अमान्य और अनुचित घोषित करने और उसे खारिज करने का निर्देश देने की मांग की। कई एफआईआर छिपाने के लगे आरोप याचिका के अनुसार, पेडनेकर ने अपने हलफनामे में जानबूझकर कई महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया और दबाया है, जैसे कि उनके खिलाफ गंभीर अपराधों के लिए दर्ज कई एफआईआर।

ईरान के विदेश मंत्री का वर पर आरोप- प्रदर्शन में हिंसा बहाना

हस्तक्षेप की ताक में डोनाल्ड ट्रंप

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के अंदर जारी सत्ता विरोधी आंदोलन पूरी तरह से नियंत्रण में आ चुका है। ऐसा दावा ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने किया है। इसी के साथ उन्होंने देश के अंदर फैली हिंसा के लिए डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान में बीते 15 दिनों से खामेनई सत्ता के खिलाफ जनता का उग्र विरोध प्रदर्शन जारी है। सरकार विरोधी आंदोलन की आग राजधानी तेहरान से लेकर देश के सभी 31 प्रांतों तक फैल चुकी है। इस बीच अशांत ईरान को लेकर विदेश मंत्री ने बड़ा दावा किया है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि देश के अंदर स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ चुकी है। इसी के साथ उन्होंने हिंसा के लिए इस्त्राइल और अमेरिका को दोषी

ठहराया है। हालांकि उन्होंने कोई सबूत पेश नहीं किया। ट्रंप पर लगाया खूनी आंदोलन भड़काने का आरोप इसी के साथ उन्होंने देश के अंदर उपजे हालात के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी घेरा। अमेरिका पर आरोप लगाते हुए सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को हिंसक और खूनी बनाया गया ताकि ट्रंप को दखल देने का बहाना मिल सके। दरअसल, ट्रंप लगातार ईरान की सरकार को आंदोलनकारियों पर कार्रवाई करने को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। मृतकों के आंकड़ों पर ईरान की चुप्पी हालांकि अराघची ने सामने आए मृतकों के आंकड़ों पर कोई बयान या सबूत नहीं दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान 500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जिनमें ज्यादातर प्रदर्शनकारी थे। तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बात करते हुए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तीखे शब्दों में इस बात पर जोर दिया कि 'स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ गई है'। कतर द्वारा वित्त पोषित अल जजीरा सैटेलाइट न्यूज नेटवर्क पर प्रसारित बयान में अराघची ने कहा, 'इसीलिए प्रदर्शन हिंसक और खूनी हो गए ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके। ट बता दें कि देश के अंदर इंटरनेट बंद होने के बावजूद अल जजीरा को देश के अंदर से लाइव रिपोर्टिंग करने की अनुमति दी गई है। ईरान में अब तक 544 की मौत इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिका की धमकी के बाद ईरान वाशिंगटन के साथ बातचीत करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब देशव्यापी प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 544 हो गई है। बता दें कि मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार विरोध प्रदर्शनों के दौरान 544 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और दर्जनों अन्य मामलों की समीक्षा जारी है। गिरफ्तारी के बाद 10,681 से अधिक व्यक्तियों को जेलों में भेज दिया गया है। देश भर में 186 शहरों में, सभी 31 प्रांतों में 585 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन जारी है। बता दें कि ये विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को बिगड़ती आर्थिक स्थिति के विरोध में शुरू हुए थे और तब से सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों में तब्दील हो गए।

नेपाल में चुनाव से पहले फिर राजा की वापसी की मांग क्यों? चुनाव से पहले सड़कों पर उतरे राजशाही समर्थक

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में चुनाव से पहले राजशाही समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं। काठमांडू में निकली रैली में राजा ज्ञानेंद्र की वापसी की मांग उठी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था देश को स्थिरता नहीं दे पा रही है। आइए जानते हैं नेपाल पर इसका क्या असर होगा। नेपाल में आम चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्म हो गया है। राजधानी काठमांडो में रविवार को राजशाही समर्थकों ने रैली निकालकर राजा की बहाली की

मांग की। यह रैली जेन-जी आंदोलन के बाद अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र विक्रम शाही के समर्थकों की पहली बड़ी सार्वजनिक मौजूदगी मानी जा रही है। मार्च में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले इस प्रदर्शन ने नई बहस छेड़ दी है। राजशाही समर्थकों का कहना है कि जेन-जी आंदोलन और उसके बाद बने हालात ने देश को अस्थिर कर दिया है। सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद अंतरिम सरकार बनी और अब मार्च में चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी बीच राजशाही समर्थक सड़कों पर उतरे और दावा किया कि मौजूदा व्यवस्था देश को स्थिरता नहीं दे पा रही है। प्रदर्शन में क्या नारे लगे? रैली में शामिल लोग हम अपने राजा से प्यार करते हैं और राजा को वापस लाओ जैसे नारे लगाते दिखे। प्रदर्शनकारी 18वीं सदी में शाह वंश की नींव रखने वाले पृथ्वी नारायण शाह की मूर्ति के आसपास एकत्र हुए। रविवार को पृथ्वी नारायण शाह की जयंती भी थी, जिसे रैली के लिए प्रतीकात्मक दिन माना गया।

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करे ईरान सरकार'; यूएन महासचिव गुटेरेस की सख्त अपील

जिनेवा (एजेंसी)। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सरकार से संयम बरतने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करने की अपील की। ईरान में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरानी सरकार से सख्त लेकिन संवेदनशील अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को हालात संभालते समय अधिकतम संयम बरतना चाहिए और जनता के अभिव्यक्ति, संगठन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों का पूरी तरह सम्मान करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब बीते 15 दिनों में ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 420 लोगों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी मानवाधिकार कार्यकर्ता इन ईरान (एचआरए) ने दी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी रिपोर्ट किया है। अनावश्यक बल प्रयोग से बचें- गुटेरेस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने बयान में गुटेरेस ने कहा कि वे ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों से स्तब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अनावश्यक या असमानुपातिक बल का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि ईरान में सूचना तक पहुंच बहाल की जाए, खासकर संचार सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए ताकि लोग सच्चाई तक पहुंच सकें।

'मैंने भारत-पाक संघर्ष रोका...'; नोबेल नहीं मिलने पर ट्रंप का छलका दर्द; ओबामा पर भी साधा निशाना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका और कुल आठ युद्ध समाप्त किए। ट्रंप ने कहा कि इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में यह पुरस्कार मिला था। ट्रंप ने कहा मैंने आठ युद्ध खत्म किए। अगर आप उन युद्धों को देखें, ये आसान नहीं थे। भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़ने वाले थे। लेकिन हमने आठ युद्धों को रोक दिया, कुछ युद्ध 30 साल से भी लंबे समय तक चल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोई और आठ युद्ध

समाप्त नहीं कर पाया। ट्रंप ने ओबामा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पुरस्कार मिला, जबकि वे यह भी नहीं जान पाए कि क्यों मिला। कई बार कर चुके है संघर्ष रोकने का दावा ट्रंप का यह दावा पिछले कुछ महीनों में लगातार दोहराया जा रहा है। उन्होंने मई 2025 में सोशल मीडिया पर कहा था कि भारत और पाकिस्तान ने अमेरिकी मध्य स्थता के बाद तत्काल युद्धविराम स्वीकार किया। हालांकि, भारत ने हमेशा किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में तेल और गैस उद्योग के नेताओं से मिलने के दौरान कहा चाहे लोग मुझे पसंद करें या न करें, मैंने आठ बड़े युद्धों को समाप्त किया, कुछ युद्ध 36, 32, 31, 28 और 25 वर्षों से चल रहे थे। भारत और पाकिस्तान के बीच भी युद्ध शुरू ही होने वाला था, आठ विमानों को मार गिराया गया और मैंने इसे बिना परमाणु हथियारों के जल्दी रोक दिया। ट्रंप ने यह भी बताया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा कि ट्रंप ने युद्ध रोककर करोड़ों जिंदगियों को बचाया। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु संपन्न देश, बड़े संघर्ष के लिए तैयार थे। आठ विमान गिराए गए और मैंने इसे रोक दिया। हर युद्ध रोकने पर नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। जानिए बिन्दुवार भारत-पाकिस्तान संघर्ष की कहानी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों के हमले (22 अप्रैल 2025) में 26 लोगों की मौत हुई। जिसके जवाब में भारत ने 7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। लगातार चार दिनों तक भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई और जमीनी संघर्ष से तनाव बढ़ा। इसके बाद 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क कर संघर्षविराम का अनुरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों की सहमति बनी। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 मई 2025 को घोषणा की कि उन्होंने दोनों देशों के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम सुनिश्चित किया। भारत ने इस दावे को हमेशा नकारा और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया। जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका और चीन की भूमिका की सराहना की।

लॉस एंजेलिस में ईरान समर्थित रैली में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, भीड़ ने चालक को पीटा; वीडियो आया सामने

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में ईरान के समर्थन में रैली निकाल रहे प्रदर्शनकारियों की भीड़ में एक ट्रक तेज रफ्तार में घुस गया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रक ड्राइवर की

जमकर पिटाई कर दी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में ईरान के समर्थन में हो रहे प्रदर्शन में उस वक्त अचानक अफरा-तफरी मच गई। जब एक तेज रफ्तार ट्रक भीड़ में घुसा गया, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्साएं लोगों ने बाद में ट्रक ड्राइवर की पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रदर्शन कर रही भीड़ को कुचलने का प्रयास दरअसल ईरान की जनता सरकार के खिलाफ पिछले 15 दिनों से आंदोलन कर रही है, जिसका असर पूरी दुनिया के साथ अमेरिका में भी देखने को मिल रहा है। इस कड़ी में लॉस एंजिल्स में ईरानी शासन के विरोध में एक मार्च निकाला जा रहा था, जिसमें शामिल हुए लोगों को एक ट्रक से कुचलने की कोशिश की गई। ट्रक के आगे से हटे लोग, बाल-बाल बचे अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि रविवार (11 जनवरी) दोपहर को लॉस एंजिल्स में ईरान में जारी आंदोलन के समर्थन में रैली निकाली जा रही थी। इस दौरान एक यू-हॉल ट्रक प्रदर्शनकारियों की भीड़ में दाखिल हो गया। लॉस एंजिल्स पुलिस के मुताबिक ट्रक तेज रफ्तार से आ रहा था, जिससे बचने के लिए प्रदर्शनकारी रास्ते से हट गए और फिर ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की। घटना के बाद ट्रक को कुछ ही ब्लॉक दूर रोक लिया गया। ट्रक की खिड़की और साइड के शीशे टूटे हुए थे।

भारत की मदद से श्रीलंका के उत्तरी भाग में रेलवे ट्रैक की बहाली का काम शुरू

चक्रवात से हुआ था नष्ट

श्रीलंका (एजेंसी)। चक्रवात दित्वाह से प्रभावित श्रीलंका में भारत की मदद से उत्तरी रेलवे ट्रैक की बहाली शुरू हो गई है। महावा जंक्शन से ओमानथाई तक क्षतिग्रस्त लाइन का पुनर्निर्माण भारत के ऑपरेशन सागर बंधु के तहत हो रहा है। चक्रवात से प्रभावित श्रीलंका में भारत की सहायता से उत्तरी रेलवे ट्रैक की बहाली का काम शुरू हो गया है। नई दिल्ली ने महावा जंक्शन से ओमानथाई तक चक्रवात से क्षतिग्रस्त उत्तरी रेलवे लाइन के पूर्ण पुनर्निर्माण के लिए पूरी सहायता प्रदान की है। भारत ने श्रीलंका में राहत, पुनर्वास सहायता प्रदान करने और संपर्क बहाल करने के लिए 28 नवंबर को 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया। परिवहन मंत्रालय ने कहा कि कार्य प्रारंभ समारोह में कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा और परिवहन मंत्री बिमल रत्नायका उपस्थित थे। मंत्रालय के अनुसार, भारत द्वारा दिए गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के अनुदान से उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में महावा जंक्शन पर रविवार को जीर्णोद्धार कार्य शुरू हुआ। यह भारत द्वारा श्रीलंका को दिए जाने वाले 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की शुरूआत का प्रतीक है। श्रीलंका नवंबर में चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, जिससे व्यापक बाढ़ और भूस्खलन हुआ था और 600 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। तमिल नव वर्ष से पहले पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के दौरान इस पैकेज की घोषणा की गई। इसमें 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रियायती ऋण रेखाएं और 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल है। श्रीलंका रेलवे के अनुसार, पुनर्निर्मित रेलवे लाइन के 14 अप्रैल को सिंहली और तमिल नव वर्ष से पहले पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। भारत द्वारा सहायता प्राप्त रेल पटरी आधुनिकीकरण परियोजना 2019 और 2024 में दो चरणों में शुरू हुई। 370 किलोमीटर लंबी इस पटरी पर एक नया सिग्नल नेटवर्क लगाया जाना था ताकि गति को 100 किमी/घंटा तक बढ़ाया जा सके।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।